न्यूज़ सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-228
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 23 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सुविचार

समझो कोई बड़ी बाधा आए तो समझो
हम जीत के करीब पहुंच गये.

शेयर बाजार ने दिया अडानी को सपोर्ट! सेंसेक्स एक ही दिन में1961 अंक चढ़ा

मुंबई। अडानी विवाद के बावजूद शेयर बाजार का शुक्रवार का कारोबारी सत्र घरेलू शेयर बाजार को रास आया। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 1,961.32 अंक चढ़कर 79,117.11 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी50 गुरुवार को पांच महीने के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद उबरते हुए 23,900 अंकों के पार 557.35 (2.39त्न) अंकों की बढ़त के साथ 23,907.25 पर बंद हुआ। अमेरिकी श्रम बाजार के मजबूत आंकड़ों से घरेलू शेयर बाजार उत्साहित दिखा। उछाल के बाद, बीएसई पर सूचीबद्ध सभी शेयरों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 7.2 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 432.57 लाख करोड़ रुपए हो गया। सेंसेक्स शुक्रवार को 2.54 प्रतिशत मजबूत होकर फिर से 79,000 के स्तर पर पहुंचने में सफल रहा। यह तेजी वैश्विक बाजारों में मजबूती और निचले स्तरों पर खरीदारी के कारण आई।

घरेलू निवेशकों की मजबूत खरीदारी- कारोबारियों ने कहा कि घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत खरीदारी और अमेरिकी बाजारों में मजबूत रुख से भी सूचकांक को मदद मिली। बीएसई का सेंसेक्स 1,961.32 अंक या 2.54 प्रतिशत उछलकर 79,117.11 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 2,062.4 अंक या 2.67 प्रतिशत बढ़कर 79,218.19 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 557.35 अंक या 2.39 प्रतिशत बढ़कर 23,907.25 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की सभी 30 कंपनियां लाभ में रहीं।

अडानी समूह की कंपनियों के

शेयरों में उछाल- रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटी और टेक शेयरों जैसे ब्लू चिप शेयरों में भारी खरीदारी से बाजार की धारणा को बढ़ावा मिला। भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, आईटीसी, इन्फोसिस, लार्सन एंड टूब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस में सर्वाधिक लाभ रहा। अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी पर अमेरिका में कथित रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी का आरोप लगने के बाद पिछले दिन की भारी गिरावट के बाद अडानी समूह की अधिकांश सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में उछाल आया। बीएसई पर अंबुजा सीमेंट्स में 3.50 फीसदी, एसीसी में 3.17 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज में 2.16 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 2.05 फीसदी, अडानी टोटल गैस में 1.18 फीसदी और एनडीटीवी में 0.65 फीसदी की तेजी रही।

अचानक इस तेजी के पीछे कौन? भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को आए तेज उछाल ने लोगों को चौंकाया है। खासतौर से ऐसे समय में जब गौतम अडानी पर अमेरिका में रिश्?वत और धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच जंग तेज हुई है। इससे जियो-पॉलि?टि?कल टेंशन बना हुआ है। यह उछाल शनिवार को आने वाले राज्य चुनावों के नतीजों से पहले आया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जैसे बैंकिंग दिग्गजों और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस जैसी आईटी फर्मों ने इस रिकवरी में अहम भूमिका निभाई। अडानी ग्रुप के कई शेयरों में रिकवरी ने बाजार की धारणा को बेहतर बनाया।

बीजेपी गठबंधन की जीत की संभावना का भी असर- कुछ एग्जिट पोल और फलोदी सट्टा बाजार के रुझानों ने भी शेयरों में तेजी लाने में मदद की। ये महाराष्ट्र में बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की जीत की ओर इशारा कर रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत की संभावना से यह संकेत मिलेगा कि इंफ्रास्ट्रक्चर और पूंजीगत व्यय पर जोर देने वाली नीतियों को आगे भी जारी रखा जाएगा। अमेरिकी शेयर बाजारों में रातोंरात लगभग 1 फीसदी की तेजी देखने को मिली। इससे भी बाजार की धारणा को बल मिला। मास्टर कैपिटल सर्विसेज में रिसर्च एंड एडवाइजरी के एवीपी विष्णु कांत उपाध्याय ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव के एग्जिट पोल से बाजार की धारणा मजबूत हुई है, जो महायुति गठबंधन की जीत की ओर इशारा कर रहे हैं। हरियाणा के बाद यह बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की लगातार दूसरी राज्य विधानसभा जीत होगी। इसे सरकार के नेतृत्व वाली पूंजीगत व्यय पहल के लिए एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

संविधान में समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द जोड़ने के केस में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द शामिल किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर शीर्ष कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं के एक समूह पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाकताओं ने इन दोनों शब्दों के संविधान में शामिल किए जाने के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। गौरतलब है कि 1976 में पारित 42वें संशोधन के बाद इन दोनों शब्दों को संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया था। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि संविधान में 42वां संशोधन इस अदालत द्वारा कई न्यायिक समीक्षाओं के अधीन किया गया है। हम यह नहीं कह सकते कि संसद ने उस समय (आपातकाल) जो कुछ भी किया वह सब अमान्य था। फैसला सुरक्षित रखते हुए पीठ ने मामले को संविधान पीठ को भेजने से इनकार करते हुए याचियों की मांग को खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि भारतीय अर्थों में

समाजवादी होना एक कल्याणकारी राज्य समझा जाता है। सीजेआई की पीठ ने पीठ ने इस मुद्दे पर अपना फैसला सुनाने के लिए 25 नवंबर की तारीख तय की है।

इंदिरा गांधी सरकार में हुआ था बदलाव- 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संवैधानिक संशोधन करके संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द शामिल किए थे। इस संशोधन के बाद प्रस्तावना में भारत का स्वरूप संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य से बदलकर संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य हो गया था। **कोर्ट में रखी गई यह दलील-** सुनवाई के दौरान अपनी दलील देते हुए अधिवक्ता विष्णु कुमार जैन ने कहा कि नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के एक हालिया फैसले का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 39(बी) पर 9 जजों की पीठ के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने समाजवादी शब्द की उस व्याख्या पर असहमति जताई जिसे शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी ने प्रतिपादित किया था। इस पर सीजेआई खन्ना ने कहा कि भारतीय संदर्भ में हम समझते हैं कि भारत में समाजवाद अन्य देशों से बहुत अलग है। हम समाजवाद का मतलब मुख्य रूप से एक कल्याणकारी राज्य समझते हैं। कल्याणकारी राज्य में उसे लोगों के कल्याण के लिए खड़ा होना चाहिए और अवसरों की समानता प्रदान करनी चाहिए।

संशोधन लोगों को सुने बिना पारित किया गया था- वकील जैन ने आगे तर्क दिया कि संविधान में 1976 का संशोधन लोगों को सुने बिना पारित किया गया था क्योंकि यह आपातकाल के दौरान पारित किया गया था। इन शब्दों को शामिल करने का मतलब लोगों को विशिष्ट विचारधाराओं का पालन करने के लिए मजबूर करना होगा। उन्होंने कहा कि जब प्रस्तावना एक कट-ऑफ तारीख के साथ आती है, तो इसमें नए शब्द कैसे जोड़े जा सकते हैं? वहीं, मामले में एक अन्य याची वकील अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वे समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता की अवधारणाओं के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन प्रस्तावना में उन्हें शामिल करने का विरोध करते हैं। इस पर पीठ ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 368 संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्ति देता है और इसके विस्तार में प्रस्तावना भी आती है।

सुधरेंगे मणिपुर के हालात? केंद्र सरकार ने भेजे 10 हजार सैनिक

इंफाल। जातीय हिंसा से जूझ रहे मणिपुर में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार 10,000 से अधिक अतिरिक्त जवानों को वहां भेज रही है। इस कदम से राज्य में केंद्रीय बलों की कुल तैनाती 288 कंपनियों तक पहुंच जाएगी। मणिपुर के मुख्य सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने इंफाल में मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 90 कंपनियां, यानी लगभग 10,800 जवान, राज्य में तैनात किए जा रहे हैं। इनमें से अधिकांश इंफाल पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमने इन जवानों को नागरिकों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करने और संवेदनशील क्षेत्रों और अहम बिंदुओं की निगरानी के लिए तैनात किया है। सभी क्षेत्रों को कुछ दिनों में कवर कर लिया जाएगा। कुलदीप सिंह ने आगे बताया कि सुरक्षा प्रबंधों को पूरी तरह से चाक-चौबंद किया गया है। हर जिले में नए समन्वय प्रकोष्ठ और संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किए

जाएंगे। उन्होंने कहा कि जो नियंत्रण कक्ष पहले से कार्यरत हैं, उनकी समीक्षा की जा चुकी है और उनकी दक्षता को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मणिपुर में पिछले कुछ महीनों से जातीय हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर स्थिति को सामान्य करने का प्रयास कर रही हैं। राज्य में हिंसा बढ़ गई है और पिछले सप्ताह पहाड़ी जिले जिरीबाम में कांग्रेस और भाजपा के कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई। सुरक्षा बलों ने शनिवार शाम मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के पैतृक आवास पर धावा बोलने की आंदोलनकारियों की कोशिश को विफल कर दिया। हिंसा तब और बढ़ गई जब 11 नवंबर को सुरक्षा बलों और संदिग्ध कुकी-जो उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद जिरीबाम जिले में एक राहत शिविर से मेइती समुदाय की तीन महिलाएं और तीन बच्चे लापता हो गए। इस मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए। पिछले कुछ दिनों में इन छह लापता लोगों के शव बरामद किए गए।

कैशकांड पर विनोद तावड़े ने राहुल-खड़गे को भेजा 100 करोड़ का नोटिस

मुंबई। महाराष्ट्र में भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े पर चुनाव से एक दिन पहले मुंबई के एक होटल में मतदाताओं को पांच करोड़ रुपए बांटने का आरोप लगा था, जिसको उन्होंने खारिज कर दिया था। इस मामले में तावड़े ने अब कांग्रेस नेताओं- राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और सुप्रिया श्रीनेत को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेज दिया है और उनसे माफी मांगने को कहा है। विनोद तावड़े ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से दिन पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ,कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मुझे और हमारी पार्टी को बदनाम करने की कोशिश की। मेरे बारे में कांग्रेस के नेताओं ने झूठ फैलाया। मेरे जैसे सामान्य परिवार से आए नेता और हमारी पार्टी को बदनाम करने की कोशिश की। जानबूझकर मेरी बदनामी की गई।

इसलिए मैंने उन सभी नेताओं को कानूनी नोटिस भेजा है। अगर वे सार्वजानिक तौर पर माफी नहीं मांगते तो मैं कानूनी कारवाई करूंगा। भाजपा महासचिव ने कांग्रेस नेताओं को जारी किए नोटिस की प्रतियां शेयर करते हुए एक्स पर लिखा- कांग्रेस का एक ही काम है झूठ फैलाना! नालासोपारा वाले झूठे मामले में मैंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत को मानहानि का नोटिस भेजा है, क्योंकि उन्होंने इस मामले में झूठ फैलाकर मेरी और भाजपा की छवि को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। सत्य सबके समक्ष है कि चुनाव आयोग और पुलिस की जांच में कथित पांच करोड़ की राशि प्राप्त नहीं हुई। यह मामला पूरी तरह से कांग्रेस की निम्नस्तरीय राजनीति का प्रमाण है।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के थाना भेज्जी इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए हैं। सुरक्षाबलों ने मौके से तीन ऑटोमैटिक राइफल और अन्य हथियार बरामद किए हैं। जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों की शुक्रवार सुबह जवानों के साथ मुठभेड़ हुई थी। जवानों को सूचना मिली थी कि कई नक्सली ओडीशा के रास्ते छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर रहे हैं। डीआरजी की टीम नक्सलियों की घेराबंदी करने निकली थी। दोनों तरफ से सैकड़ों राउंड फायरिंग हुई है। साथ ही कई ऑटौमैटिक हथियार भी मिले हैं। यह मुठभेड़ कोराजुगुड़ा, दंतेसपुरम, नागाराम, भंडारपदर के जंगल-पहाड़ी में हुई है। जवान इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। सर्च ऑपरेशन के

दौरान नक्सलियों ने जवानों पर हमला कर दिया। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से काफी देर तक गोलीबारी हुई। बस्तर आईजी पी सुंदरराज ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि छत्तीसगढ़ के दक्षिणी सुकमा में डीआरजी के साथ मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए सुरक्षाबल के जवानों ने शुक्रवार सुबह सुकमा जिले में नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया है। जवानों को मिली यह सफलता सराहनीय है। नक्सलियों के खिलाफ हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए मजबूती के साथ लड़ाई लड़ रही है। बस्तर में विकास, शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए सुरक्षाबल के जवानों ने आज सुबह सुकमा जिले में नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया है।

महाराष्ट्र और झारखंड में किसकी सरकार? फैसला आज

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे शनिवार को आ जाएंगे। महाराष्ट्र में एक चरण और झारखंड में दो चरणों में चुनाव कराए गए। महाराष्ट्र में महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच कड़ा मुकाबला है। वहीं, झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के बीच सीधी टक्कर है। महाराष्ट्र की बात करे तो एग्जिट पोल और सट्टा बाजार के आंकड़ों के मुताबिक महायुति (भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन) एक बार फिर सत्ता में वापसी कर सकता है। मुख्यमंत्री बनने की दौड़ में देवेंद्र फडणवीस सबसे आगे हैं। वहीं, झारखंड में मैट्रिज के एग्जिट पोल के अनुसार, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की सरकार बन सकती है। एनडीए को 42 से 47 तो इंडिया गठबंधन को 25 से 30 सीटें मिल सकती हैं। मुख्यमंत्री बनने के रेस में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास फिलहाल सबसे आगे हैं

महाराष्ट्र में चाहिए 144 सीटों का बहुमत महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 288 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए 144 सीटों का बहुमत जरूरी है। दो प्रमुख गठबंधन है- पहला महायुति (बीजेपी-शिवसेना-एनसीपी गुट) और दूसरा प्रमुख गठबंधन महा विकास अघाड़ी, जिसमें शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), कांग्रेस, शरद पवार का एनसीपी गुट एक साथ चुनाव लड़ी हैं। महायुति गठबंधन से सीएम पद के लिए भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। दूसरे नंबर पर एकनाथ शिंदे (शिवसेना-शिंदे गुट) के जो वर्तमान मुख्यमंत्री हैं। वहीं,

अजित पवार (एनसीपी गुट) भी संभावित विकल्प के रूप में हैं। महा विकास अघाड़ी गठबंधन से सीएम पद के लिए उद्धव ठाकरे (शिवसेना उद्धव गुट) प्रमुख चेहरा हैं। एनसीपी के वरिष्ठ नेता शरद पवार भी हैं। हालांकि कांग्रेस के तरफ से मुख्यमंत्री पद के लिए अभी तक किसी भी चेहरे का दावा नहीं किया गया है।

महाराष्ट्र में किसने कितनी सीटों पर लड़ा चुनाव? महाराष्ट्र विधानसभा के कुल 288 सीटों में से भाजपा 148 सीटों पर चुनाव लड़ी है। शिवसेना (शिंदे गुट) 80 सीटें, एनसीपी (अजित पवार गुट)65 सीटें। वहीं, कांग्रेस 125 सीटें, एनसीपी (शरद पवार गुट) 90 सीटें। शिवसेना (उद्धव गुट) 75 सीटों पर चुनाव लड़े हैं। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा 105 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। शिवसेना 56 सीटें, एनसीपी 54 सीटें, कांग्रेस ने 44 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे।भाजपा और शिवसेना ने मिलकर बहुमत (161 सीटें) हासिल किया था,लेकिन मुख्यमंत्री पद पर विवाद के कारण शिवसेना ने भाजपा से नाता तोड़ लिया। शिवसेना (उद्धव गुट), एनसीपी, और कांग्रेस ने मिलकर महा विकास अघाड़ी गठबंधन बनाया और उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने।बाद में एकनाथ शिंदे ने शिवसेना में बगावत कर भाजपा के साथ गठबंधन कर महायुति सरकार बनाई, जिसमें एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री और देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने।

बीआरटीएस तोड़कर चौराहों पर बनाए जाएंगे 4-5 ब्रिज, हो रहा सर्वे

इंदौर। इंदौर की सबसे व्यस्त सड़क एबी रोड (बीआरटीएस) पर बीस साल में पांच योजनाएं बनी। कंसल्टेंट नियुक्त किए गए। उनकी फीस चुकाई गई। ड्राइंग डिजाइन बनी, उसमें पैसा व्यर्थ खर्च किया गया और फिर हुआ कुछ नहीं, लेकिन जनता के पसीने की कमाई अफसरों ने व्यर्थ गंवा दी। दस साल पहले जो बीआरटीएस बनाया गया। अब उसे तोड़ने के निर्देश मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दिए हैं। इस सड़क के लिए लोगों ने करोड़ रुपए की जमीन स्वेच्छा से दी। 300 करोड़ रुपये इसमें खर्च किए हैं। अब बीआरटीएस तोड़कर चौराहों पर ब्रिज बनाए जाएंगे। इस बीच इंदौर में बीआरटीएस हटाए जाने का मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने समर्थन किया है। उन्होंने इस फैसले को जनहित में बताया है।मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इस निर्णय को लेने के कई कारण हो सकते हैं। एबी रोड पर आने वाले समय में ट्रैफिक को सुगम बनाने के लिहाज हम 4-5 ब्रिज बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। इसका फिजिबिलिटी सर्वे भी बहुत तेजी से हो रहा है। दूसरा जब बीआरटीएस को बनाने की कल्पना हुई थी। वह शहर में अर्बन ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने की दृष्टि से थी।

मेयर बोले- मुख्यमंत्री का निर्णय नीतिगत निर्णय मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि मुझे लगता है कि पूरे शहर की दृष्टि से बीआरटीएस को यदि हम कर पाते तो एक बड़ी उपलब्धि होती। पब्लिक ट्रांसपोर्ट की दृष्टि से कॉमन एरिया में चलने वाले लोगों की सुविधा मुख्य मार्ग पर ट्रैफिक को सुगम बनाकर ट्रैफिक कंजेशन को ठीक करेंगे। साथ ही हाईकोर्ट में जो जनहित याचिका लगी थी या एक और अन्य कोई याचिका जो लगी है उसके बारे में मैं यह कह सकता हूं कि कई बार फैसले भी आए, लेकिन उसे हटाने की याचिका लंबित है। मुख्यमंत्री का निर्णय नीतिगत निर्णय है।

ट्रांसपोर्ट बस बंद नहीं होगी मेयर ने कहा कि बीआरटीएस हट जाता है, फिर भी पब्लिक ट्रांसपोर्ट बस बंद नहीं होगी। लोगों की सुविधाओं के लिए चलने वाली बसें बनी रहेंगी। हम उसको और सुगम सुलभ बनाने के लिए व्यवस्थाएं देंगे। अगर जरूरत पड़ी तो बसों की संख्या बढ़ाएंगे। अभी पलासिया उसका उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है, बाकी उसके और नीतिगत पहलू और जनहित याचिका भी लंबित है। उसमें पक्ष रखने के बाद जो निर्णय आएगा, जो दिशा निर्देश प्राप्त होंगे उस आधार पर काम शुरू हो जाएगा।

उद्घाटन आज तक नहीं हुआ बीआरटीएस ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसे शुरू हुए तो कई साल हो चुके, लेकिन उद्घाटन आज तक नहीं हुआ। यह प्रोजेक्ट पायलट प्रोजेक्ट के तहत ही चल रहा है। इस प्रोजेक्ट ने पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे, पूर्व आईडीए चेयरमैन मधु वर्मा, कलेक्टर विवेक अग्रवाल के कार्यकाल में आकार लिया था। अब इसके हटने से एआईसीटीएसएल की आर्थिक स्थिति भी गड़बड़ाएगी। इस कॉरिडोर के बनने के बाद 2 जनहित याचिकाएं दायर की गई थीं। सामाजिक कार्यकर्ता किशोर कोडवानी ने याचिका दायर की थी। बिना नोटिफिकेशन के बीआरटीएस बनाने और बीआरटीएस के नाम पर लगाई गई रैलिंग को हटाने की मांग याचिकाओं में की गई थी।

भैरव अष्टमी पर भक्ति, भव्यता और भोग से 'रोशन' हुआ रामबाग श्मशान घाट

इंदौर। इंदौर के रामबाग श्मशान घाट में गुरुवार रात से शुरू हुआ भैरव अष्टमी के अवसर पर तीन दिवसीय भैरव जन्मोत्सव भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम बना। आयोजन की शुरुआत सुंदरकांड पाठ से हुई, जो रात 7.30 बजे शुरू हुआ और देर रात तक चलता रहा। इस आयोजन में बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए, जिन्होंने भक्ति-भाव से इस विशेष अवसर का आनंद लिया। आयोजन स्थल पर शाम से ही भक्तों का जमावड़ा लगने लगा था, जिससे पूरा मुक्तिधाम भक्ति के माहौल में डूब गया। सुंदरकांड पाठ से पहले महिला भक्तों ने भैरव बाबा को हल्दी-मेहंदी लगाकर उनका सुंदर श्रृंगार किया। बाबा को विशेष प्रकार के व्यंजन और मिठाइयों का भोग अर्पित किया गया, जो घाटों पर सजाया गया। पूरे श्मशान घाट को रंग-बिरंगी लाइटिंग से सजाया गया था, जिससे वहां का दृश्य अत्यंत मनमोहक लग रहा था। अंतिम संस्कार स्थल पर भी दीपक प्रज्वलित किए गए, जिससे वातावरण में आध्यात्मिकता की गहन अनुभूति हुई। रामबाग मुक्तिधाम के अंदर स्थित इस भैरव मंदिर में हर साल भैरव अष्टमी पर भव्य आयोजन किया जाता है,

लेकिन इस बार का आयोजन भक्तों के लिए विशेष था। सुंदरकांड पाठ के दौरान भक्ति संगीत और भजनों का आयोजन भी किया गया, जिसने भक्तों को आध्यात्मिक सुख की अनुभूति कराई। इस दौरान महिला और पुरुष भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रद्धालु भजनों पर झूमते और भगवान भैरव की महिमा का गुणगान करते नजर आए। रामबाग श्मशान घाट का यह आयोजन इस बात का प्रतीक है कि भक्ति और आस्था के लिए स्थान और परिस्थितियां कोई बाधा नहीं बनतीं। पुजारी दिलीप माने ने बताया कि यह तीन दिवसीय भैरव जन्मोत्सव हर साल भक्तों के लिए विशेष अनुभव लेकर आता है। आयोजन का दूसरा दिन, शुक्रवार, भी उत्सव से भरा होगा। इस दिन शाम को भैरव बाबा की भव्य सवारी निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस मुक्तिधाम पहुंचेगी। यह सवारी भक्तों के लिए बाबा के दर्शन और उनके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर प्रदान करेगी। आयोजन के तीसरे और अंतिम दिन, शनिवार, को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में भक्त प्रसाद ग्रहण करेंगे और इस उत्सव को एक यादगार अनुभव के रूप में विदा करेंगे। रामबाग श्मशान घाट में आयोजित यह भैरव जन्मोत्सव भक्तों को श्रद्धा और भक्ति के एक साथ जोड़ने वाला एक अद्वितीय आयोजन है, जिसमें आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक परंपरा का संगम देखने को मिलता है।

यूरेशियन समूह की बैठक की मेजबानी के लिए देश का सबसे स्वच्छ शहर तैयार, 25 से 29 नवंबर तक बैठक

मनी लॉन्ड्रिंग,आतंकवाद की फंडिंग के खिलाफ इंदौर में बनेगी रणनीति

इंदौर। देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर 25 से 29 नवंबर के बीच यूरेशियन समूह की 41वीं पूर्ण बैठक की मेजबानी करेगा। प्रशासन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इंदौर संभाग के आयुक्त (राजस्व) दीपक सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि धनशोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए गठित यूरेशियन समूह की पांच दिवसीय बैठक में करीब 200 लोग शामिल होंगे जिनमें नौ देशों के इस संगठन के प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस बैठक के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। सिंह ने बताया कि बैठक में शामिल होने वाले प्रतिनिधि शहर के एक उद्यान में पौधे रोपेंगे और इस आयोजन की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए बगीचे को 'यूरेशिया गार्डन' के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन प्रतिनिधियों को इंदौर से करीब 90 किलोमीटर दूर मांडू में ऐतिहासिक महत्व के स्थलों की सैर कराई जाएगी और लाइट एंड साउंड कार्यक्रम भी दिखाया जाएगा। बता दें कि इस बैठक के दौरान इंदौर की सफाई और ट्रैफिक व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। बैठक में आने वाले विदेशी मेहमानों के लिए एयरपोर्ट से विजय नगर तक के हिस्सों में रंग-रोगन किया जा रहा है। दीवारों पर थ्रीडी पेंटिंग भी की जा रही है। मेहमानों के लिए एक भोज 56 दुकान पर होगा। उसका सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। शहर में जगह-जगह प्रदेश की ब्रांडिंग व

वेलकम होर्डिंग भी लगाए जा रहे हैं।

चीन के मेहमानों से बात करेंगे डीएवीवी के छात्र हवाई अड्डे पर प्रतिनिधियों की सहायता के साथ-साथ परिवहन, आवास और विभिन्न स्थानों पर उनके दौरे के लिए विभिन्न कॉलेजों के 200 स्वयंसेवकों की एक टीम तैयार की गई है। चीन से आने वाले प्रतिनिधियों की सहायता के लिए डीएवीवी मंदारिन भाषा पाठ्यक्रम के कुछ छात्रों को शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है। मेहमानों के लिए ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, सयाजी, वाउ और मैरियट समेत सभी छह होटलों में दो बसें खड़ी रहेंगी। ईवी बसों को प्राथमिकता दी जा रही है। दोपहर के भोजन के लिए, प्रतिनिधियों की पसंद का भोजन मेनू पेश करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे वे अपने आगमन की पुष्टि के साथ साझा करेंगे, साथ ही देश के स्थानीय और प्रसिद्ध व्यंजन भी।

भारतीय परंपरा के अनुसार होगा अतिथियों का स्वागत यूरेशियन समूह की बैठक में मेहमानों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, जाएंगे। इस दौरान प्रदेश के औद्योगिक विकास को दिखाने वाली प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। आयोजन के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंप दी है। एयरपोर्ट पर प्रदेश की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की जाएगी। अतिथियों का स्वागत भारतीय परंपरा के अनुरूप होगा। उन्हें ऐतिहासिक स्थल मांडू के साथ ही शहर की धरोहर डेली कॉलेज भी ले जाया जाएगा।

16 साल बाद भारत को मिला मेजबानी का मौका यूरेशियन ग्रुप की यह बैठक 16 साल बाद भारत में आयोजित हो रही है। अंतिम दिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी इसमें शामिल होंगी। अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ईरान, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, ताजाकिस्तान, बेलारूस, आर्मेनिया समेत 25 देशों के प्रतिनिधि इंदौर आएंगे। इसके अलावा, यूरेशियन डेवलपमेंट बैंक, एफएटीएफ, यूएनओडीसी, और एडीबी जैसी वैश्विक संस्थाओं के अधिकारी भी इस बैठक में शिरकत करेंगे।

यूरेशियन ग्रुप में ये देश हैं शामिल नौ देशों के इस संगठन में भारत, रूस, चीन, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं।

दूल्हे की प्रेमिका ने मंडप में जाकर कर दी दुल्हन की जमकर पिटाई

इंदौर। इंदौर के मल्हारगंज क्षेत्र में शुक्रवार को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में एक अप्रत्याशित घटना घटी, जिसने सभी को हैरान कर दिया। दलाल बाग में आयोजित इस विवाह समारोह में एक जोड़ा, निलेश यादव और सपना चौहान, अपने परिवार की रजामंदी से शादी कर रहा था। विवाह की रस्में चल रही थीं और दूल्हा-दुल्हन मंडप में फेरा पर बैठे हुए थे। इसी दौरान, रुक्मणी होल्कर नाम की एक युवती समारोह स्थल पर पहुंची और सीधे दुल्हन के पास जाकर उसके साथ मारपीट करने लगी। रुक्मणी का दावा था कि वह दूल्हे की प्रेमिका है और दोनों के बीच लंबे समय से संबंध हैं। उसने इस शादी का विरोध करते हुए जमकर हंगामा किया। इस अप्रत्याशित घटना से विवाह स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। रुक्मणी ने यह भी आरोप लगाया कि दूल्हा उसके साथ धोखा कर रहा है। इस विवाद के बाद दुल्हन सपना चौहान ने मंडप छोड़ दिया और सीधे मल्हारगंज थाने पहुंचकर रुक्मणी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई।

बच्चा होने के भी आरोप शिकायत दर्ज करने के दौरान सपना ने पुलिस को बताया कि मारपीट करने वाली महिला, रुक्मणी, दूल्हे की दोस्त ही नहीं बल्कि उसके दोस्त की पत्नी भी है। सपना ने बताया कि निलेश का रुक्मणी से एक बच्चा भी है। इस घटना से वह आहत है और उचित कार्रवाई की मांग कर रही है। पुलिस के अनुसार, दूल्हा निलेश यादव भी इस दौरान थाने पहुंच गया और अपनी ओर से स्थिति को स्पष्ट करने की कोशिश की। निलेश और रुक्मणी दोनों बालदा कॉलोनी के निवासी हैं और एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं।

रुक्मणी नहीं पहुंची थाने पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि रुक्मणी के आरोपों में कितनी सच्चाई है। वहीं, रुक्मणी अब तक थाने नहीं पहुंची है, जिससे पुलिस को उसका पक्ष जानने में परेशानी हो रही है। इस विवाद ने सामूहिक विवाह समारोह में बाधा डाल दी और वहां मौजूद लोग इस अप्रत्याशित घटना से स्तब्ध रह गए।

सरकारी कार्यक्रम की भद्द पिट गई पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की बातें सुनने और सबूतों की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत आयोजित शादी समारोह की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है। फिलहाल, सभी की नजरें इस पर टिकी हैं कि पुलिस की जांच में क्या खुलासा होता है और मामले का समाधान कैसे होता है।

निवेश के नाम पर महिला से धोखाधड़ी के मामले में दो पर केस

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर महिला से धोखाधड़ी के मामले में दो लोगों पर केस दर्ज किया है। आरोपियों ने पीड़िता को लग्जरी लाइफ स्टाइल दिखाकर इंप्रेस किया। इसके बाद करीब 12 लाख रुपए ठग लिए। क्राइम ब्रांच अधिकारियों के मुताबिक आरोपी कई लोगों से करीब 80 लाख रुपए की ठगी कर चुके हैं। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक वर्षा नाम की महिला की शिकायत पर रोहित पुत्र राजेश जैन, निवासी खेरादी मोहल्ला, प्रतापगढ़ राजस्थान और उसके दोस्त हर्ष पुत्र मनीष मारवाडी पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। वर्षा ने बताया कि सहेली के जरिए महासागर कॉर्पोरेट,गीता भवन पर उसकी पहचान रोहित से हुई थी।

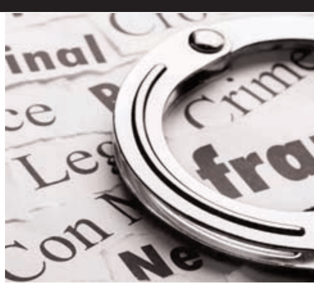

कुछ ही दिनों में रोहित से अच्छी जान-पहचान और बातचीत हो गई। रोहित ने बताया कि वह शेयर मार्केट, माइनिंग और टूर एंड ट्रैवल का काम करता है। रोहित ने मोबाइल ऐप पर डी-मैट ???अकाउंट में लाखों रुपए का बैलेंस दिखाया। रोहित ने वर्षा से भी शेयर मार्केट में निवेश करने के लिए कहा। उसने इन्वेस्टमेंट अमाउंट पर हर महीने अच्छा प्रॉफिट मिलने का झांसा भी दिया।

आरोपी की लग्जरी लाइफ से प्रभावित हुई महिला रोहित ने वर्षा को अपनी एक हाई प्रोफाइल वीडियो शेयर की। उसकी लाइफ स्टाइल देखकर वर्षा काफी प्रभावित हुई। रोहित हमेशा आरजे-35-सीए-5411 नंबर क मर्सिडीज ई-क्लास से ही आता था। उसने कहा कि उसकी कंपनी में इन्वेस्टमेंट सेफ है। उसने कुछ एग्रीमेंट भी दिखाए। ट्रेडिंग से हुए प्रॉफिट के स्क्रीनशॉट भी भेजे।

प्रॉफिट को लेकर टालमटोल करने लगा इसके बाद एक अन्य साथी वरूण गेलडा, निवासी इतवारिया बाजार से मिलवाया। वह अपनी पत्नी शिखा गेलडा के नाम से इन्वेस्टमेंट फर्म संचालित करता है। उसमें करीब 15 लोगों से 1 करोड़ 80 लाख रुपए लिए गए। वर्षा से भी 2022 में 12 लाख रुपए इन्वेस्ट कराए। कुछ समय बाद प्रॉफिट को लेकर टालमटोल करने लगा।

लगातार झांसा देता रहा नवंबर 2023 में रोहित ने 4 लाख रुपए इनकम टैक्स भरने के चलते प्रॉफिट का पैसा कुछ समय बाद देने की बात कही। इसके बाद से रोहित लगातार झांसा देता रहा। इसके चलते पीड़िता ने क्राइम ब्रांच में शिकायत की। जांच के बाद रोहित और उसके दोस्त को आरोपी बनाया गया है।

नवंबर की ठंड तोड़ रही रिकॉर्ड, इंदौर में पहली बार रात का पारा 12.8 डिग्री पर

इंदौर। मध्यप्रदेश में इस साल नवंबर की ठंड ने पिछले साल के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। प्रदेश के लगभग सभी शहरों में तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। इंदौर में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात सीजन में पहली बार तापमान 13 डिग्री के नीचे 12.8 डिग्री पर जा पहुंचा। इसके साथ ही पिछले 10 में से 5 साल में नवंबर में दर्ज सबसे कम तापमान का रिकार्ड भी टूट गया। इनमें 2014 में दर्ज 13.4 डिग्री, 2015 में दर्ज 13.8 डिग्री, 2019 में दर्ज 14.2 डिग्री, 2021 में दर्ज 13.5 डिग्री और पिछले साल यानी 2023 में दर्ज 14.6 डिग्री के रिकार्ड शामिल हैं, जो गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात टूट गया। विमानतल स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक गुरुवार को दिन का अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री और बुधवार की अपेक्षा 1.1 डिग्री कम था, वहीं रात का न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री और दिन की ही तरह बुधवार रात की अपेक्षा 1.1 डिग्री कम था। इस दौरान पूर्वी हवाएं चलीं जिनकी अधिकतम गति 15 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट देखने को मिलेगी, जिससे और रिकार्ड भी टूटते नजर आएंगे।

29 नवंबर को 11 डिग्री तक जा सकता है तापमान मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि आने वाले दिनों में इंदौर में ठंड का असर और बढ़ेगा। अगले कुछ दिन तापमान 12 से 13 डिग्री के बीच रहेगा, वहीं 29 नवंबर को यह 11 डिग्री तक जा सकता है, जिससे पिछले कुछ और सालों के रिकार्ड भी ध्वस्त होते नजर आएंगे। शहर में बढ़ रही इस तरह गिर रहे तापमान से रात के साथ ही दिन में भी ठंडक महसूस होने लगी है।

भोपाल में भी सबसे ठंडी रात मौसम विभाग के अनुसार उत्तर और उत्तर-पूर्वी भारत में ठंड का असर बढ़ने और उस ओर से हवा आने के कारण इंदौर में भी ठंड का असर बढ़ गया है, जो आगे भी जारी रहेगा। प्रदेश की बात करें तो मप्र का पचमढ़ी सबसे ठंडा हिल स्टेशन साबित हो रहा है। राजधानी भोपाल में इस नवंबर का तापमान पिछले 10 सालों में तीसरी सबसे सर्द रात का गवाह बना, जब पारा 10.2 डिग्री सेल्सियस तक गिरा। उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी रात का तापमान 15 डिग्री से नीचे आ गया।

कई शहरों में दस डिग्री से कम है तापमान पचमढ़ी में सबसे कम तापमान 7.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि अन्य शहरों जैसे शाजापुर, शहडोल, और मंडला में पारा 9 डिग्री के करीब रहा। बड़े शहरों में भोपाल और ग्वालियर में तापमान क्रमशः 10.2 डिग्री और 11.1 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि इंदौर और उज्जैन में यह 13.9 डिग्री और 11.5 डिग्री तक पहुंचा। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिम-उत्तर भारत में चल रही जेट स्ट्रीम हवाओं और दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के सक्रिय होने से प्रदेश में सर्द हवाओं का असर बढ़ गया है।

एक सप्ताह में गिरा तापमान पिछले एक सप्ताह से रात के साथ दिन के तापमान में भी 2-3 डिग्री की गिरावट देखी गई है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसा ही मौसम अगले कुछ दिनों तक बना रहेगा, जिसके बाद दिसंबर में ठंड और तेज हो जाएगी। इस प्रकार, मध्यप्रदेश में सर्दी ने नवंबर के महीने को कड़ाके की ठंड के साथ यादगार बना दिया है।

कृषि आधारित कार्यक्रम इंडियाज प्रीमियर एग्रो समिट में नागपुर पहुंचे सीएम मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री गडकरी के उद्बोधन के लिए जताया आभार

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी बोले- देश में मप्र की कृषि विकास दर सबसे आगे

भोपाल। देश की पुरानी संरचना में मप्र और महाराष्ट्र एक साथ हुआ करते थे। सीमा विभाजन के साथ यह अलग जरूर हो गए, लेकिन इनके आपसी संबंध आज भी बरकरार हैं और गहरे भी। कृषि से कल्याण और विकास की भावना के साथ अब यह दोनों प्रदेश एक और एक, ग्यारह होकर साथ चलेंगे। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। कृषि आधारित इस कार्यक्रम इंडियाज प्रीमियर एग्रो समिट का यह 15वां संस्करण था। कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने उद्बोधन के दौरान मप्र की कृषि व्यवस्था को सबसे आगे बताया। उन्होंने कहा कि मप्र की कृषि विकास दर देश भर में सबसे आगे है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जब मंच सम्हाला तो उन्होंने सबसे पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के प्रोत्साहन उद्बोधन के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि गडकरी की यह बातें प्रेरणादायक भी हैं और अधिक मेहनत करने की तरफ अग्रसर करने वाली भी हैं।

अपने घर ही आया हूं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने खुद को महाराष्ट्र की धरती पर आने को अपने घर आने से निरूपित किया। उन्होंने कहा कि बाजीराव से लेकर अहिल्या बाई और सिंधिया तक के संबंध इस प्रदेश से रहे हैं। इन सभी महानुभावों का मप्र में गहरा और अविस्मरणीय योगदान है। मप्र स्थापना से पहले मध्य प्रांत की राजधानी होने के नाते हम सभी इस प्रदेश की जनता रहे हैं। इसके चलते नागपुर और महाराष्ट्र हमारा अपना घर ही है।

गाय संवेदनशील है, वह मां की तरह सब समझती है नागपुर में हुए इस

एग्रोविजन विजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विकास का नया अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की तरह हमारे मप्र में भी गौवंश के संरक्षण के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए प्रदेश सरकार ने कई योजनाएं बनाई हैं और उन पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में जिन्हें गौरा गौरी कहा जाता है, मप्र में उन्हें बछड़ा बछड़ी कहते हैं। यह संवेदनशील गौमाता जन्म देने वाली माता के समान ही संवेदना रखती है। वह हमारी हर बात सुनती और समझती है, बस उनको शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाती है।

गौमाता से फायदे डॉ मोहन यादव ने कहा कि घर घर दूध उत्पादन क्षमता बढ़ाने के हम प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए लोगों को दूध देने वाली गाय सौंपकर उनके लालन पालन की जिम्मेदारी सौंप रहे हैं। दूध देना बंद करने के बाद इनको व्यवस्थित घर देने के लिए प्रदेश में बड़ी गौशालाएं बनाई जा रही हैं। इसी कड़ी में राजधानी भोपाल में करीब 15 हजार की क्षमता वाली गौशाला का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा गौकास्ट आदि के व्यवस्थित उपयोग के लिए बड़े संयंत्र लगाने की योजनाएं भी शुरू की गई हैं।

विकास के पथ पर चलेंगे साथ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने महाराष्ट्र की कृषि आधारित योजनाओं की तारीफ की और इनसे बहुत कुछ सीखने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रोजेक्ट का परीक्षण और इनसे प्रशिक्षण लेने के लिए वे जल्दी ही मप्र से मंत्रियों का एक दल महाराष्ट्र भेजेंगे। डॉ यादव ने कहा कि कृषि आधारित योजनाओं से घर घर की आमदनी के जो प्रयास यहां किए जा रहे हैं, वह प्रशंसनीय हैं। उत्पादन बढ़ाने के साथ इनके लिए योग्य बाजार की कल्पना और प्रयास भी रेखांकित किए जाने जैसे हैं। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। कृषि आधारित इस कार्यक्रम इंडियाज प्रीमियर एग्रो समिट का यह 15वां संस्करण था। कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय मंत्री डॉ नितिन गडकरी ने अपने उद्बोधन के दौरान मप्र की कृषि व्यवस्था को सबसे आगे बताया। उन्होंने कहा कि मप्र की कृषि विकास दर देश भर में सबसे आगे है।

भोपाल मंडल की 22 मेमू और पैसेंजर ट्रेनों के बदल जाएंगे नंबर

भोपाल। रेलवे बोर्ड ने मेमू और पैसेंजर ट्रेन्स के नंबर बदलने का फैसला लिया है। भोपाल रेल मंडल से चलने वाली 22 मेमू और पैसेंजर्स ट्रेनों के नंबर भी एक जनवरी से बदल जाएंगे। ट्रेनों को नए नंबर मिल गए हैं, बदलाव एक जनवरी 2025 से दिखेगा। भोपाल रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार सभी यात्री ट्रेनें जो पीएसपीसी नंबर ('0' से शुरू होने वाले नंबर) के साथ चल रही हैं। उन्हें नियमित ट्रेन नंबर (जैसा कि पूर्व-कोविड अवधि में चल रही थी) के साथ चलाया जाएगा।

भोपाल मंडल से गुजरने वाली सभी यात्री ट्रेनों का पुन: नंबर निर्धारण किया गया है। वर्तमान '0' नंबर प्रणाली के बजाए इन्हें नियमित ट्रेन नंबर से चलाया जाएगा। यह परिवर्तन 01.01.2025 से प्रभावी होगा। नई और पुरानी ट्रेन नंबरों का विवरण भोपाल रेल मंडल ने जारी कर दिए हैं। भोपाल रेल मंडल ने कहा कि इस परिवर्तन का उद्देश्य यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों की पहचान को सरल बनाना है। सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा से पहले नई ट्रेन नंबर की जानकारी चेक कर लें। इस नई व्यवस्था से संबंधित किसी भी जानकारी या सहायता के लिए यात्री रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

1 जनवरी से ये होंगे गाड़ियों के नंबर

-गाड़ी संख्या 06603 बीना-कटनी मुडवारा पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 61619 से संचालित होगी।

- गाड़ी संख्या 06604 कटनी मुडवारा-बीना पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 61620 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 06607 बीना-गुना पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 61611 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 06608 गुना-बीना पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 61612 से संचालित होगी।

- गाड़ी संख्या 06619 इटारसी-कटनी पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 61617 से संचालित होगी।

- गाड़ी संख्या 06620 कटनी-इटारसी पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 61618 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 06631 भोपाल-बीना पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 61631 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 06632 बीना-भोपाल पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 61632 से संचालित होगी।

- गाड़ी संख्या 06633 कोटा-बीना पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 61633 से संचालित होगी।

- गाड़ी संख्या 06634 बीना-कोटा पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 61634 से संचालित होगी।

- गाड़ी संख्या 05685 खंडवा-बीड पैसेंजर स्पेशल अब नियमित गाड़ी संख्या 51685 से संचालित होगी।

- गाड़ी संख्या 05686 बीड-खंडवा पैसेंजर स्पेशल अब नियमित गाड़ी संख्या 51686 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 05689 खंडवा-बीड पैसेंजर स्पेशल अब नियमित गाड़ी संख्या 51683 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 05690 बीड-खंडवा पैसेंजर स्पेशल अब नियमित गाड़ी संख्या 51684 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 05691 खंडवा-बीड पैसेंजर स्पेशल अब नियमित गाड़ी संख्या 51687 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 05692 बीड-खंडवा पैसेंजर स्पेशल अब नियमित गाड़ी संख्या 51688 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 01883 बीना-ग्वालियर पैसेंजर स्पेशल अब नियमित गाड़ी संख्या 51883 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 01884 ग्वालियर-बीना पैसेंजर स्पेशल अब नियमित गाड़ी संख्या 51884 से संचालित होगी।

- गाड़ी संख्या 01885 बीना-दमोह पैसेंजर स्पेशल अब नियमित गाड़ी संख्या 51885 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 01886 दमोह-बीना पैसेंजर स्पेशल अब नियमित गाड़ी संख्या 51886 से संचालित होगी।

-गाड़ी संख्या 01819 बीना-ललितपुर पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 64617 से संचालित होगी।

- गाड़ी संख्या 01820 ललितपुर-बीना पैसेंजर स्पेशल मेमू अब नियमित गाड़ी संख्या 64618 से संचालित होगी।

मप्र के उपचुनाव की मतगणना आज

विजयपुर और बुधनी में दोनों दल कर रहे अपनी जीत के दावे

भोपाल। मध्यप्रदेश में हुए दो सीटों के उपचुनाव को लेकर मतगणना की तैयारी पूरी हो गई है। बुधनी और विजयपुर सीटों पर 13 नवंबर को मतदान हुआ था। 23 नवंबर को मतगणना के बाद नतीजे घोषित किए जाएंगे। बुधनी और विजयपुर सीट पर भाजपा और कांग्रेस दोनों के ही नेता अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। बुधनी सीट पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का गृहक्षेत्र है। यह सीट लंबे समय से भाजपा का गढ़ है। चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एकजुट होकर प्रचार अभियान को गति दी थी। यहां पर भाजपा प्रत्याशी के चयन को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में नाराजगी सामने आई थी, इससे पार्टी को कुछ नुकसान होने की संभावना है। हालांकि, पार्टी के नेताओं का कहना है कि सभी ने एकजुट होकर चुनाव प्रचार किया है, नेताओं की नाराजगी को उसी समय दूर कर लिया गया था, भाजपा प्रत्याशी पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव यहां से 50 हजार वोटों से जीत दर्ज करेंगे। वहीं, कांग्रेस नेता भी अपने प्रत्याशी पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल की जीत के दावे कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस ने भी इस बार किरार समाज से आने वाले राजकुमार पटेल पर दांव खेला है। कांग्रेस नेता भी उनकी पांच हजार वोटों से जीत का दावा कर रहे हैं। बता दें, सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा सीट पर इस बार मतदान पिछले चुनावों के मुकाबले गिरकर 76त्न रह गया, जबकि 2023 में यह 82त्न हुआ था।

विजयपुर में कांटे की टक्कर, कांग्रेस की कड़ी चुनौती विजयपुर सीट पर स्थिति दिलचस्प बनी हुई है। एग्जिट पोल के मुताबिक, यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला है। भाजपा ने वन मंत्री रामनिवास रावत को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने आदिवासी वर्ग से आने वाले मुकेश मल्होत्रा को मैदान में उतारा है। मतदान के दिन खाड़ी गांव में मतदान केंद्र पर आदिवासी मतदाताओं ने अपनी शिकायतों को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया था। उनका कहना था कि दबंगों ने उन्हें डरा-धमकाकर मतदान से रोकने की कोशिश की। विजयपुर उपचुनाव के दौरान हिंसा और विवादों ने चुनावी प्रक्रिया को सुर्खियों में रखा। इस सीट को जीतने के लिए दोनों ही पार्टियों ने पूरी ताकत झोंक दी। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ कांग्रेस ने भी हर स्तर पर मजबूत प्रचार अभियान चलाया। विजयपुर में जातीय समीकरण और चुनाव के दौरान हुई हिंसा के चलते वोटों का बंटवारा रोचक रहेगा। यहां पर भी दोनों ही दल अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं।

आदिवासी वोट बंटा तो भाजपा का लाभ वरिष्ठ पत्रकार प्रभु पटैरिया का कहना है कि बुधनी शिवराज सिंह के प्रभाव वाली भाजपा की सीट है। किरार उम्मीदवार उतारकर कांग्रेस ने चुनाव को रोचक बनाने की पूरी कोशिश की है। 2023 के मुकाबला भाजपा की लीड घट सकती है। यहां भाजपा के जीतने की संभावना है। वहीं, विजयपुर में कांटे का मुकाबला है। हालांकि, चुनाव प्रबंधन के माहिर नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने हाथ में कमान रखी। यहां पर आदिवासी समीकरण असर डालता दिखाई दे रहा है। कांग्रेस उम्मीदवार के खुद के पिछले चुनाव के 42 हजार वोट हैं। यह ज्यादातर आदिवासी वर्ग के वोट हैं। अब आदिवासी वर्ग का वोट बंटा तो भाजपा की जीत होगी और यदि एकतरफा गिरा तो कांग्रेस उम्मीदवार जीत सकता है।

पहले बुधनी और फिर विजयपुर का रिजल्ट श्योपुर जिले की विजयपुर और सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा में उपचुनाव की मतगणना की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। राउंडवार गणना के आधार पर पहले बुधनी और फिर विजयपुर विधानसभा उपचुनाव का परिणाम घोषित होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी को मतगणना के लिए सभी सिक्योरिटी मापदंडों को सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि 23 नवंबर को सुबह 8 बजे से मतगणना आरंभ होगी। विजयपुर विधानसभा में मतगणना शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज श्योपुर में होगी। यहां 327 मतदान केंद्रों में मतों की गणना के लिए 16 टेबल लगाई जाएंगी, जबकि मतगणना 21 राउंड में कराई जाएगी। वहीं, बुधनी विधानसभा की मतगणना शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय सीहोर में होगी। यहां 14-14 टेबल लगाई जाएंगी। 363 मतदान केंद्रों में मतों की गणना के लिए 2 कक्षों में 14-14 टेबल लगाई जाएंगी। यहां पर मतगणना 13 राउंड में कराई जाएगी।

मतगणना स्थल पर रहेगी त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था मतगणना स्थल पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मतगणना केंद्र में केवल अधिकृत पासधारी व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे। कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति मतगणना केंद्र में प्रवेश नहीं करेगा। हर एक मतगणना टेबल पर एक काउंटिंग सुपरवाईजर, एक काउंटिंग असिस्टेंट, एक काउंटिंग स्टॉफ और एक माइक्रो ऑर्ब्जवर रहेगा। वहीं मतगणना कर्मियों का त्रि-स्तरीय रेण्डमाईजेशन होगा।

यह सामग्री रहेगी प्रतिबंधित मतगणना हॉल में मोबाइल फोन, आईपैड, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, कैमरा, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बीड़ी, सिगरेट और गुटखा प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि आरओ, एआरओ, काउंटिंग सुपरवाइजर जो ईटीपीबीएमएस/इनकोर से जुडे हैं, वो सिर्फ ईटीपीबीएमएस/इनकोर ओपन करने के लिए ओटीपी के लिए मोबाइल ले जा सकेंगे।

मतगणना हॉल के भीतर यह सामग्री ले जा सकेंगे मतगणना हॉल के भीतर पासधारी अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्ता, मतगणना अभिकर्ता को कोरा कागज, मतपत्र लेखा प्रारूप 17 सी भाग-1 की प्रति, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रदाय किए गए ईवीएम और वीवीपैट की सूची जो विभिन्न मतदान केंद्रों में प्रयोग में लाई गई है और प्लास्टिक पेन या पेंसिल ले जाने की अनुमति रहेगी।

नरवाई जलाई तो होगी कानूनी कार्रवाई
भोपाल कलेक्टर ने निकाला आदेश

भोपाल। राजधानी भोपाल के कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने पराली जलाने पर सख्ती दिखाते हुए पूरे जिले में दो महीने के लिए रोक लगा दी है। यह फैसला राजधानी और आसपास के इलाकों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए लिया गया है। नियम तोड़ने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। भोपाल में नरवाई जलाने की घटनाएं पिछले साल के मुकाबले इस साल ज्यादा देखने को मिल रही हैं। पराली जलाने से हवा प्रदूषित हो रही है जिससे राजधानी की हवा खराब हो गई है। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए कलेक्टर ने यह कदम उठाया है। यह रोक नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश का पालन करते हुए लगाई गई है। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को नरवाई जलाने वालों पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि गेहूं की बुआई का समय होने के कारण इस रोक का ज्यादा असर नहीं होगा। ज्यादातर किसान पहले ही बुआई कर चुके हैं। कलेक्टर ने गुरुवार देर रात यह आदेश जारी किया। आदेश के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति नरवाई या पराली जलाते हुए मिलता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। आरोपी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई जा सकती है। भोपाल के अलावा जबलपुर में भी पराली जलाने पर रोक लगा दी गई है। नियमों का पालन न करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बैन को इस तरह से भी सही कहा जा सकता है क्योंकि नरवाई जलाने के मामले में एमपी ने पंजाब को भी पीछे छोड़ दिया है, जो एक चिंताजनक बात है।

साइबर क्राइम में 142% के उछाल के बाद भोपाल के सभी थानों में अब साइबर डेस्क

भोपाल। भोपाल पुलिस एक नई पहल शुरू कर रही है ताकि बढ़ते साइबर अपराधों से निपटा जा सके। 1 दिसंबर से भोपाल के सभी थानों में साइबर डेस्क खोले जाएंगे। यह कदम मुख्यमंत्री और डीजीपी के उस विजन के अनुरूप है जहां नागरिकों के लिए शिकायत दर्ज कराना और समाधान पाना आसान होगा। हाल ही में हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि 2024 में भोपाल में साइबर अपराध के कारण होने वाले वित्तीय नुकसान में भारी वृद्धि हुई है। 2024 के पहले 10 महीनों में 2023 की तुलना में साइबर अपराधियों ने शहर के निवासियों से लगभग 142त्न अधिक धन की चोरी की। भोपाल साइबर क्राइम ब्रांच के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से अक्टूबर 2024 तक 5 हजार 225 साइबर अपराध की शिकायतों में 53.35 करोड़ रुपये की भारी राशि साइबर अपराधियों द्वारा ठगी गई। इसकी तुलना में 2023 में इसी अवधि के दौरान साइबर क्राइम ब्रांच को रिपोर्ट की गई 5 हजार 018 साइबर अपराध शिकायतों में साइबर अपराधियों ने 22.10 करोड़ रुपये की ठगी की थी। बढ़ती साइबर अपराध शिकायतों के

बावजूद साइबर क्राइम ब्रांच द्वारा इस साल 2024 में 31 अक्टूबर तक साइबर अपराधों के केवल 55 एफआईआर दर्ज किए गए, जबकि 2023 में इसी अवधि के दौरान 39 साइबर अपराध एफआईआर दर्ज किए गए थे।

ऐसा करने वाला मप्र का पहला जिला बन जाएगा भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा कि भोपाल मध्यप्रदेश का पहला जिला बन जाएगा जहां सभी थानों में साइबर डेस्क शुरू होंगे। पीड़ित अपने स्थानीय थानों में 5 लाख रुपये तक के साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्ट करा सकेंगे। इससे पहले पीड़ितों को शहर के एकमात्र साइबर पुलिस स्टेशन जाना पड़ता था। जिसमें उन्हे अक्सर समय लगने के साथ साथ कई परेशानियां होती थी। साइबर डेस्क की स्थापना से पीड़ित अब अपने स्थानीय थानों में साइबर धोखाधड़ी से संबंधित शिकायतें तुरंत दर्ज करा सकेंगे। इस त्वरित कार्रवाई से धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोकने और पीड़ितों के पैसे की वसूली की संभावना बढ़ जाएगी।

पुलिस अधिकारियों को दिया जरूरी प्रशिक्षण इस पहल की शुरूआत के लिए पुलिस कमिश्नर मिश्रा ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। उद्घाटन के दौरान उन्होंने साइबर अपराध से निपटने में तकनीकी ज्ञान और जन जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध कानून प्रवर्तन के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

पुलिस का तकनीकी रूप से सक्षम होना जरूरी पुलिस कमिश्नर मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि साइबर क्राइम वर्तमान युग में एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गया है। मोबाइल फोन और इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग ने धोखेबाजों को आम नागरिकों की मेहनत की कमाई को निशाना बनाने में सक्षम बनाया है। ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस का तकनीकी रूप से सक्षम होना और जनता का जागरूक और सतर्क होना अनिवार्य है। तकनीकी ज्ञान और जन जागरूकता से साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

संपादकीय

हर सांस के साथ अकाल मृत्यु की तरफ बढ़ रहे लोग

मौसमी दशाओं के बदलने से देश की राजधानी दिल्ली के लोगों को कोहरे और स्मॉग की मार झेलनी पड़ रही है। बीते सात-आठ दिन से राजधानी गैस चैंबर बनी हुई है। आबोहवा में जहर घुल गया है। इससे लोगों की सांसें उखड़ रही हैं। यही नहीं, लोगों के सीने में जलन, सांस लेने में तकलीफ और ज्यादा देर तक खुले में रहने से आंखों में भी चुभन हो रही है। लगातार यहां हवा खतरनाक श्रेणी में दर्ज की जा रही है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में प्रदूषण को लेकर शुक्रवार को दिल्ली की आप सरकार को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि दिल्ली सरकार की कोशिशों से हम संतुष्ट नहीं हैं।

देश की राजधानी दिल्ली के जानलेवा प्रदूषण और सरकारों के कामकाज को अब 'राष्ट्रीय शर्म' घोषित कर देना चाहिए। इसके अलावा विकल्प भी क्या है? जिस समय सर्वोच्च अदालत के 'कोर्ट रूम' में प्रदूषण पर सुनवाई चल रही थी, उस समय वहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 994 था। वह बेहद गंभीर श्रेणी का प्रदूषण था। दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता 978 भी दर्ज की गई। ऐसे प्रदूषण में जीना भी राष्ट्रीय शर्मिन्दगी है। सर्वोच्च अदालत का वह विशेष और संवेदनशील कक्ष होता है, जहां की हवा गैस चैंबर के हालात को भी लांघ गई थी। यह शर्मनाक स्थिति नहीं है, तो और क्या है? राजधानी दिल्ली की प्रदूषित हवा का औसत सूचकांक 500 को पार कर चुका है। अब एक दिन ऐसा आएगा, जब सडकों पर मास्कधारी आबादी ही दिखाई देगी, लिहाजा अब सर्वोच्च अदालत की फटकार ही पर्याप्त नहीं है। अब सर्वोच्च अदालत सरकारों से सवाल न करे, बल्कि राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों को प्रतीकात्मक जेल की सजा सुनाए। प्रदूषण सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित नहीं है। यहां तो गैस चैंबर से भी बदतर हालात हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या 30-35 फीसदी बढ़ गई है। सांसें टूट रही हैं। दिल का दौरा पड़ा है। अस्थमा, दमा का अटैक पड़ा है। लोग बुरी तरह खांस रहे हैं। मस्तिष्क पर भी प्रभाव पड़ा है, लिहाजा ऐसे मरीज भी अस्पताल तक दौड़ रहे हैं। आम दृश्यता धुंध में कहीं खो गई है, लिहाजा 100 से अधिक विमान देरी से उड़े, 15 को अन्य राज्यों की ओर मोड़ा गया और कुछ उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यह कोई आपातकाल या संक्रमण काल नहीं है, रोजमर्रा की जिंदगी पर प्रदूषण का प्रभाव है। प्रदूषण से 22 लाख लोग सालाना मर जाते हैं। करीब 90 करोड़ भारतीय गंभीरतम प्रदूषण में सांस लेने को विवश हैं। वे भी हरेक सांस के साथ अकाल मृत्यु की तरफ बढ़ रहे हैं। पर्यावरण में इतना धुआं औसत आदमी एक दिन में 49.2 सिगरेट पीने के समान निगलने को विवश है। हरियाणा में यह औसत 33.25 सिगरेट के धुएं के बराबर है। उप्र और बिहार में प्रतिदिन लोग औसतन 10 सिगरेट पीने को मजबूर हैं। आदमी के दिल, फेफड़े और गुर्दे कब तक साथ देंगे? आम आदमी की उम्र औसतन 8 साल घट रही है। हम लोग छोटे, बौने, निहित स्वार्थ के मुद्दों पर सालभर में औसतन एक लाख से अधिक आंदोलन करने के आदी हैं। जाति, धर्म, आरक्षण, आर्थिक मुद्दों पर भी राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़े गए हैं, लेकिन प्रदूषण जैसे जानलेवा हालात पर कोई आंदोलन नहीं! हालिया चुनावों में भी प्रदूषण पर कोई चर्चा, बहस सामने नहीं आई है। हमारे सामने चीन का उदाहरण है। वह एक तानाशाही किस्म का देश है, लेकिन वहां लोगों ने गैस चैंबर सरीखे प्रदूषण पर ऐसा आंदोलन छेड़ा कि सरकार हिल गई। आज वहां प्रदूषण लगभग नियंत्रण में है। भारत में वैसा क्यों नहीं किया जा सकता? सर्वोच्च अदालत भी फटकारना बंद करे और संवैधानिक दायित्व तय करे, क्योंकि स्वच्छ हवा में सांस लेना भी हमारा संवैधानिक अधिकार है। पराली जलाना, घरेलू धुआं, औद्योगिक प्रदूषण, वाहनों से निकलने वाले जहरीले कण, पाबंदी के बावजूद आतिशबाजी आदि के मद्देनजर ग्रैप-4 की पाबंदियां भी स्थायी और पर्याप्त असरकारक नहीं हैं। बड़े वाहन बंद, निर्माण-कार्य बंद, फैक्ट्रियों में उत्पादन बंद, दफ्तर बंद, स्कूल बंद। आखिर निठल्ले बैठकर प्रदूषण से कैसे लड़ा जा सकता है? प्रदूषण पर असर डालने वाले कारकों पर सोचना होगा, लिहाजा सरकारें विशेषज्ञों की सलाह लें। जिम्मेदारी भारत सरकार की भी है, बल्कि ज्यादा है। दिल्ली में ही राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और पूरी कैबिनेट, संसद स्थित हैं। सर्वोच्च अदालत और प्रधान न्यायाधीश भी दिल्ली में ही मौजूद हैं। सभी देशों के दूतावास भी दिल्ली में हैं। राजधानी होने के कारण दिल्ली की अपनी प्रतिष्ठा और गरिमा है। यदि प्रदूषण वाकई राष्ट्रीय शर्म मान लिया गया, तो भारत की छवि कलंकित होगी। प्रदूषण से जानलेवा खतरा हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, दलित, पिछड़ों सभी को है, लिहाजा इस मुद्दे पर क्षुद्र राजनीति भी नहीं करनी चाहिए। प्रदूषण के मोर्चे पर अब लीक से हट कर कुछ सार्थक करने की जरूरत है।

'एकात्म मानववाद' को अपनाकर हो आर्थिक विकास

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने समाज और राष्ट्र में भी चित्त, आत्मा, मन, बुद्धि एवं शरीर आदि का समुच्चय देखा है। अतः इस एकात्म मानववादी दर्शन के उतने ही आयाम एवं विस्तार है, जितनी मनुष्य की आवश्यकताएं हैं। इन विभिन्न आवश्यकताओं का केंद्र बिंदु अर्थ को ही माना गया है। कौटिल्य ने अर्थशास्त्र की परिभाषा में लिखा है कि अर्थशास्त्र का मुख्य अभिप्राय, अप्राप्ति की प्राप्ति; प्राप्ति का संरक्षण तथा संरक्षित का उपभोग है। एकात्म मानववाद में भी आर्थिक व्यवहार उक्त आधारों पर ही टिके होते हैं। इस प्रकार, अर्थशास्त्र की दिशा स्वतः ही विकासवादी हो जाती है।

भारतीय संस्कृति के अनुसार ही भारतीय आर्थिक दर्शन में भी सृष्टि की समस्त इकाईयों, अर्थात व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र एवं समष्टि को एक माला की कड़ी के रूप में देखा गया है। एकता की इस कड़ी को ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद बताया है। एकात्म मानववाद वैदिक काल से चले आ रहे सनातन प्रवाह का ही युगानुरूप प्रकटीकरण है। सनातन हिंदू दर्शन आत्मवादी है। आत्मा ही परम चेतन का अंश है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने समाज और राष्ट्र में भी चित्त, आत्मा, मन, बुद्धि एवं शरीर आदि का समुच्चय देखा है। अतः इस एकात्म मानववादी दर्शन के उतने ही आयाम एवं विस्तार है, जितनी मनुष्य की आवश्यकताएं हैं। इन विभिन्न आवश्यकताओं का केंद्र बिंदु अर्थ को ही माना गया है। कौटिल्य ने अर्थशास्त्र की परिभाषा में लिखा है कि अर्थशास्त्र का मुख्य अभिप्राय, अप्राप्ति की प्राप्ति; प्राप्ति का संरक्षण तथा संरक्षित का उपभोग है। एकात्म मानववाद में भी आर्थिक व्यवहार उक्त आधारों पर ही टिके होते हैं। इस प्रकार, अर्थशास्त्र की दिशा स्वतः ही विकासवादी हो जाती है।

भारत के नागरिक पिछले लंबे समय से पश्चिमी शिक्षा व्यवस्था में पले बढ़े हैं अतः वे भारत की पौराणिक एवं वैदिक ज्ञान परंपरा से विमुख हो गए हैं। इसी प्रकार, प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं आर्थिक चिंतन से भी हम भारतीय इतने अधिक दूर हो गए हैं कि प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र को सिर्फ उक्ति एवं सिद्धांत मानने के साथ साथ अव्यवहारिक भी मानने लगे हैं। जबकि, वैदिक साहित्य में धन के 22 से अधिक प्रकारों की स्पष्ट व्याख्या की गई है, जिसमें शेयर से लेकर आय एवं मूलधन भी सम्मिलित है। प्राचीन भारत के आर्थिक चिंतन को आज यदि लागू किया जाता है तो केवल भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता का कल्याण होगा, क्योंकि हिंदू अर्थशास्त्र एकात्म मानववाद पर आधारित है, जिसमें व्यक्ति अपने लिए नहीं, वरन समष्टि के लिए जीता है। इसे निम्नलिखित सूत्र के माध्यम से अधिक स्पष्ट किया जा सकता हैं -

हिंदू अर्थशास्त्र = व्यक्ति 7 परमार्थ (एकात्म मानववाद एवं त्याग)
पश्चिमी अर्थशास्त्र = व्यक्ति 7 स्वार्थ (आत्म केंद्रित एवं लाभ)

एकात्म मानववादी अर्थशास्त्र में व्यक्ति अपने एवं अपनों के स्थान पर समष्टि तथा चराचर और परमार्थ के लिए जीता है। जिसमें स्वयं के लिए मुनाफा एवं लाभ के स्थान पर दूसरों की चिंता मुख्य होती है। परंतु, इसके ठीक विपरीत पश्चिम का अर्थशास्त्र आत्मकेंद्रित व्यवहार एवं स्वार्थ पर खड़ा है। पश्चिम के विकासवादी दर्शन का केंद्र मुनाफा, स्वार्थ एवं लाभ है। परंतु, हिंदू आर्थिक चिंतन के आधार पर खड़े एकात्म मानववाद का आधार अथवा केंद्र परमार्थ है। इसलिए एकात्म मानववादी आर्थिक विकास में विकास केवल अर्थ के लिए नहीं वरन परमार्थ के लिए है। हिंदू आर्थिक दर्शन परंपरा में विकास की अवधारणा को समग्रता में व्यक्त किया गया है। यह विकास त्रिगुण आधारित है। इस त्रिगुण में- सत, रज एवं तम सम्मिलित है। प्राचीन भारतीय चिंतन में सत्तवादी विकास श्रेष्ठ माना गया है। इस सत्तवादी विकास के तत्व हैं ज्ञान, तपस्या, सदकर्म, प्रेम एवं समत्वभाव तथा इसकी उपस्थिति सतयुग में मानी गई है। विकास का दूसरा स्वरूप रजस को माना गया। इस रजसवादी विकास के तत्व हैं अहंबुद्धि, प्रतिष्ठा, मानबढ़ाई, लौकिक, पारलौकिक सुखा मत्सर, दम्भ एवं लोभ तथा इसकी उपस्थिति त्रेतायुग में मानी गई है। इसे मानवीय और मध्यम माना गया है। इसी प्रकार, विकास का तीसरा स्वरूप तमस को माना गया है। इस तमसवादी विकास के तत्व हैं असत्य, माया, कपट, आलस्य, निंदा, हिंसा, विषाद, शोक, मोह, भय तथा इसकी उपस्थिति कलयुग में मानी गई है। इस प्रकार सत, रज एवं तम गुणों के आधार पर उक्त विकास के तीन रूपों के साथ एक मिश्रित विकास का भी मॉडल माना गया है, जिसमें रजस एवं तमस गुण मिले होते हैं और इस मॉडल की उपस्थिति द्वापर युग में मानी गई है। इस प्रकार भारतीय चिंतन परंपरा में विकास के उक्त चार प्रारूप माने गए हैं। इन चारों प्रारूपों का उपयोग चार युगों सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग एवं कलियुग में होता पाया गया है। इसमें सबसे उत्तम सतयुगी विकास प्रारूप को माना गया है तथा सबसे अधम कलियुगी विकास प्रारूप को माना गया है। भारत में, वर्तमान खंडकाल में त्रेतायुग के रामराज्य को भी बहुत अच्छा माना गया है एवं इसके स्थापना की कल्पना की जाती रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने महात्मा गांधी के ट्रस्टीशिप एवं हिंद स्वराज्य के विवेचन को भी अपने विमर्श में स्थान दिया है। इस प्रकार भारतीय चिंतन परंपरा का आदर्श रामराज्य है, इसमें भरत जैसे राजा एवं जनक जैसे राजा तपस्वी के रूप में राज्य करते थे। स्वयं श्रीराम धर्म की मर्यादा को अपने लिए भी लागू करते थे एवं धर्म की मर्यादा का कभी भी उल्लंघन नहीं करते थे। सदैव प्रजा एवं प्रकृति की रक्षा एवं संवर्धन करते रहते हैं। यह एक ऐसा विकास का प्रारूप है जो आज भी आदर्श है। रामराज्य की अवधारणा भी एकात्म मानववाद के आधारों पर खड़ी थी। यह शासन तथा विकास एवं व्यवस्था में सब की भागीदारी तथा सब के लिए व्यवस्था थी, जो प्रकृति आधारित विकास पर बल देती थी।

भारत में सबसे छोटी इकाई व्यक्ति पर बल दिया गया है और उसका संगठन किया गया है। भारत में व्यक्ति के स्वरूप को जिस प्रकार संगठित और एकात्म किया गया वैसा पश्चिम में नहीं हो सका है। पश्चिम में केवल भौतिक प्रगति पर ही बल दिया गया है। पूरे विश्व में आज सर्वाधिक विकसित राष्ट्र अमेरिका को माना जाता है। अमेरिका में नागरिकों की भौतिक प्रगति तो बहुत हो गई है, परंतु अमेरिका के नागरिकों में सुख, संतोष और समाधान का पूर्णतया अभाव है। अमेरिका में व्यक्ति के जीवन में परस्पर विरोध, असमाधान, असंतोष, सर्वाधिक अपराध और आत्महत्याएं बहुत बड़ी मात्रा में व्याप्त हैं। अमेरिकी नागरिकों में तीव्र रक्तचाप, हृदय रोग एवं अपराध की प्रवृत्ति बहुत अधिक मात्रा में पाई जा रही है। पूरे विश्व को प्रभावित करने की क्षमता रखने वाला अमेरिका अपने नागरिकों के लिए भौतिक समाधान से आगे बढ़कर मानसिक समाधान प्राप्त नहीं कर सका है। इस धरा पर जन्म लेने के बाद प्रत्येक व्यक्ति का अंतिम लक्ष्य आखिर है क्या? संभवतः सुख जो चिरंतन एवं घनीभूत हो। इतनी भौतिक प्रगति करने के बाद भी अमेरिका एवं यूरोपीय देशों के नागरिकों में समाधान व सुख का अभाव है। ईसा ने कहा था कि सम्पूर्ण संसार का साम्राज्य भी प्राप्त कर लिया और यदि आत्मा का सुख खो दिया तो उससे क्या लाभ?

भारत में छोटी से छोटी इकाई व्यक्ति संगठित और एकात्म है एवं व्यक्ति को खंडों में विभक्त समझने की बुद्धिमता प्रदर्शित नहीं की गई है। परंतु, अमेरिका के एक मनोवैज्ञानिक ने वर्णन किया है कि सड़कों पर एक ऐसी बड़ी भीड़ हमेशा लगी रहती है जो आत्मविहीन, मानसिक दृष्टि से अस्वस्थ, एक दूसरे से अपरिचित और निःसंग स्थिति में है। उनका अपने ही साथ समन्वय नहीं तो दुनिया के साथ क्या होगा? व्यक्ति का समाज के साथ समन्वय नहीं। व्यक्ति भी संगठित और एकात्म इकाई नहीं। केवल भौतिक स्तर पर विचार करने के कारण वहां व्यक्ति को भौतिक एवं आर्थिक प्राणी माना गया है। यदि भौतिक आर्थिक उत्कर्ष मानव को मिले तो उससे सुख की प्राप्ति होगी, यह माना गया। किंतु भौतिक आर्थिक उत्कर्ष की चरम सीमा होने पर भी सुख का अभाव है और इसका कारण यही है कि वहां खंड-खंड में विचार करने की प्रणाली है, जिसमें व्यक्ति को केवल भौतिक आर्थिक प्राणी मान लिया गया है और व्यक्ति के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर संगठित एवं एकात्म रूप में विचार नहीं किया गया है।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में यह माना गया है कि मनुष्य एक आर्थिक प्राणी भी है एवं आहार, निद्रा, भय, मैथुन, आर्थिक आवश्यकताओं, आदि की तृप्ति की बात भारत में भी कही गई है। इन जरूरतों की पूर्ति होना चाहिए, इस तथ्य को भी स्वीकार किया गया है। किंतु भारत में मनुष्य को आर्थिक प्राणी से कुछ ऊपर भी माना गया है। मनुष्य आर्थिक प्राणी के साथ-साथ वह एक शरीरधारी, मनोवौज्ञानिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक प्राणी भी है। भारतीय मनुष्य के व्यक्तित्व के अनेकानेक पहलू है। अतः यदि सम्पूर्ण व्यक्तित्व के सभी पहलुओं का संगठित और एकात्म रूप से विचार नहीं हुआ तो उसको सुख समाधान की अवस्था प्राप्त नहीं हो सकती।

मानव मस्तिष्क को चिप के सहारे कई गुना ताकतवर बनाने का करिश्मा

सदियों से मानव सभ्यता के लिए अपने ही दिमाग को समझना और परखना एक बड़ी पहेली रहा है। इसकी एक बड़ी वजह यह सवाल है कि आखिर इंसानी दिमाग में ऐसी क्या खूबियां हैं जिन्होंने मानव जाति को इस कायनात की सबसे विकसित और दूसरी सभी जीव प्रजातियों को काबू करने लायक बनाया। पहेलियां कुछ और भी हैं। जैसे, यह रहस्य सुलझाने को लेकर भी काफी बेचैनी है कि आखिर हर व्यक्ति के दिमाग के सोचने-समझने की क्षमता एक दूसरे से काफी अलग क्यों होती है। आधुनिक विज्ञान इंसानी दिमाग को इसलिए समझना चाहता है कि जो विश्लेषण या जो नतीजे दुनिया के ताकतवर कंप्यूटर नहीं निकाल पाते हैं या फिर जो विचार मशीनें पैदा नहीं कर पाती हैं, उन्हें इंसानी दिमाग कैसे खोज लेता है। मनुष्य के अंदर जन्मजात रूप से जो ज्ञान मौजूद होता है, दुनिया के कम्प्यूटर उस तक की बराबरी नहीं कर पाते हैं। इसी तरह अगर हमारे शरीर में कोई अपंगता है तो क्या उसे किसी दिमागी करिश्मे से दूर किया जा सकता है। ऐसा लगता है कि इन सारे सवालों के हल अब मिलने को हैं। मस्तिष्क की शक्तियों की खोज-परख और उनमें बढ़ोतरी की कई कोशिशें यूं तो अरसे से चल रही हैं, लेकिन इनमें सबसे ज्यादा चर्चा दुनिया के सबसे मशहूर कारोबारी एलन मस्क के प्रयोगों की है। मस्क हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत से ज्यादा चर्चा में हैं क्योंकि इससे उनकी स्पेस एक्स और टेस्ला जैसी कंपनियों के विस्तार की संभावना पैदा होती है। लेकिन मस्क के कारनामे सिर्फ कारोबार में नहीं हैं। वे जिस तरह के जोखिम विज्ञान के क्षेत्र में लेते रहे हैं, उनसे भी वह काफी ख्याति बटोर रहे हैं। इंसानी दिमाग को और करिश्माई बनाने के मामले में एलन मस्क का योगदान यह है कि वह मस्तिष्क को एक चिप या इलेक्ट्रोड के सहारे कम्प्यूटर से जोड़ रहे हैं ताकि दिमाग की ताकत कई गुना बढ़ाई जा सके। कम्प्यूटर और इंसानी दिमाग को एक साथ करने के उद्देश्य से 7-8 साल पहले मस्क ने एक नई कंपनी- न्यूरालिंक कॉरपोरेशन बनाई थी जो मनुष्यों के दिमाग में बेहद सूक्ष्म इलेक्ट्रोड फिट यानी इम्प्लांट करने की शुरुआत कर चुकी है। इस साल यानी 2024 की शुरुआत में मस्क ने ऐसी ब्रेन चिप्स के निर्माण का ऐलान किया था, जिन्हें एक मेडिकल डिवाइस की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। ये चिप्स उन मरीजों के दिमाग में लगाई जा रही हैं, जो अवसाद, डिमेंशिया या सिजोफ्रेनिया जैसी मानसिक बीमारियों से पीड़ित हैं और उन्हें परंपरागत इलाज से कोई लाभ नहीं हो रहा है। परीक्षण के तौर पर एक लकवाग्रस्त मरीज के दिमाग में यह चिप लगाई गई। कह सकते हैं कि इस चिप का ह्युमन इंप्लांट किया गया। कुछ ऐसी ही चिप्स अन्य मरीजों में लगाई गईं। दावा है कि ब्रेन चिप्स को लेकर मरीजों ने अविश्वसनीय प्रतिक्रियाएं दी हैं। ब्रेन चिप्स लगाए जाने के बाद एक मरीज ने दिमाग में पैदा विचारों के जरिये तकनीक पर नियंत्रण पा लिया। एक मरीज ने सिर्फ सोचकर ही अपने रोबोटिक हाथों को हिलाया, कम्प्यूटर के कर्सर को घुमाया और एक अन्य मरीज ने कम्प्यूटर पर वीडियो गेम खेलने में सफलता हासिल की। निश्चय ही न्यूरालिंक कंपनी की ओर अभी ये सिर्फ क्लीनिकल ट्रायल हैं। दिमाग में मशीनों की घुसपैठ को, कुछ दुष्प्रभावों की आशंका में, हो सकता है कि दुनिया के कई देश परीक्षणों की सफलता के बाद भी मंजूरी न दें। लेकिन सवाल है कि क्या एक बढ़ती हुई तकनीक को दुनिया आखिर रोक पाएगी। ध्यान रखना होगा कि एक दौर में टीवी, इंटरनेट और मोबाइल अथवा स्मार्टफोन को बुरी चीजों में शामिल किया जाता था। आज भी स्मार्टफोन हमें एक खलनायक ही नजर आता है। लेकिन जितनी सहूलियतें इन तकनीकों की बदौलत हमें मिल रही हैं, उनकी कल्पना हम पहले कर नहीं पाते थे। हालात ये हैं कि इन सुविधाओं के नहीं रहने पर हम खुद को पिछड़ा हुआ मान सकते हैं। ऐसे में हो सकता है कि आगे चलकर न्यूरालिंक की ब्रेन चिप्स अपने मस्तिष्क में लगवाने वाले लोग उन्नत और स्मार्ट माने जाएं और ये ब्रेन चिप्स सिर्फ किसी बीमारी में नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाएं।

एक कारोबारी और कंपनी के नजरिये से देखें, तो न्यूरालिंक की ब्रेन चिप को हम मुनाफा कमाने की एक नई ईजाद करार दे सकते हैं। लेकिन इंसानी दिमाग में इलेक्ट्रोड या ब्रेन चिप लगाने के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए मस्क कहते हैं कि ऐसा होने पर हम आसानी से जान सकेंगे कि सोते-जागते किसी इंसान के दिमाग में क्या विचार चल रहे हैं। हमारे भाव-विचार, हमारे सपने- ये सब इलेक्ट्रोड्स के जरिये आसानी से कम्प्यूटर में उतारे (डाउनलोड किए) जा सकेंगे और इसी तरह यदि किसी की मेमोरी चली गई हो, तो भाव-विचार, सपने और पुरानी यादें उसके दिमाग में अपलोड की जा सकेंगी, बशर्ते उन्हें पहले से कम्प्यूटर में इसी तकनीक से सहेज कर रखा गया हो। मस्क ने इस तकनीक को एक नया नाम 'न्यूरल लेस' दिया है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में खुली मस्क की इस कंपनी न्यूरालिंक कॉरपोरेशन की पहली इकाई के कर्मचारी कुछ अन्य दिमागी विकारों, जैसे कि डिप्रेशन (अवसाद) और पार्किंसस आदि रोगों के इलाज के लिए कम्प्यूटर तकनीक का विकास करने में भी संलग्न बताए जाते हैं। लेकिन दिमाग की खोजबीन से जुड़ा यह कोई पहला कारनामा नहीं है। न्यूरालिंक के करिश्मे से पहले ही प्रयोगशाला में इंसानी दिमाग जैसी संरचना बना लिए जाने, एक विचार को दूसरे दिमाग तक टेलीपैथी के जरिये पहुंचा देने के चमत्कार हो चुके हैं। दिमाग को पढ़ने के लिए तमाम परियोजनाएं तक शुरू हो चुकी हैं, जिनके आधार पर कहा जाने लगा है कि जल्द ही हमारा अपना दिमाग हमारे काबू में होगा।

करीब दशकभर पहले वर्ष 2014 में हार्वर्ड मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर अल्वारो की निगरानी में एक प्रयोग किया गया, जिसके बारे में दावा है कि वह मशीन के जरिए साकार की गई टेलीपैथी का सफल प्रयोग था। इस प्रयोग के तहत दुनिया में पहली बार कम्प्यूटर की मदद से एक इंसानी दिमाग का विचार 5 हजार किलोमीटर दूर बैठे दूसरे इंसान के दिमाग में सिर्फ सोचनेभर से पहुंचाया गया। ब्रेन टू ब्रेन कम्युनिकेशन का यह प्रयोग एक छोर पर भारत के तिरुअनंतपुरम में और दूसरे छोर पर फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में बैठे व्यक्तियों के बीच किया गया। तिरुअनंतपुरम में बैठे एक व्यक्ति ने जो कुछ सोचा, उसे दूसरे छोर पर मौजूद लोगों ने हूबहू पढ़ लिया। टैलीपैथी के इस क्रांतिकारी प्रयोग के तहत शोधकर्ताओं ने इलेक्ट्रोइनसेफलोग्राफी (ईईजी) हेडसेट की मदद से ब्रेन-कम्प्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) तकनीक का इस्तेमाल किया था। तिरुअनंतपुरम में बैठे व्यक्ति ने अपने दिमाग में दो फ्रांसीसी शब्द- होला और स्याओ (अंग्रेजी के संबोधन- हैलो और जवाबी हैलो के प्रतीक) सोचे थे, जिन्हें दूसरे छोर पर इन्हीं शब्दों के रूप में डिकोड करते हुए पढ़ लिया गया। एक परिपक्व टैलीपैथी की नजर में यह प्रयोग बेहद आरंभिक है, लेकिन इस सिलसिले में काम कर रहे वैज्ञानिकों का दावा है कि 2045 तक इंसानी दिमाग को पूरी तरह कंप्यूटर पर अपलोड करके उसकी एक-एक हरकत को पढ़ और समझ लिया जाएगा। तब इंसानी दिमाग का कोई रहस्य शेष नहीं रह जाएगा।

कम्प्यूटर और जीवों के दिमाग को जोड़ने वाला एक अन्य प्रयोग अमेरिका की ड्यूक यूनिवर्सिटी के मेडिकल सेंटर और जापान साइंस एंड टेक्नॉलोजी एजेंसी के साइंटिस्टों ने किया। इस प्रयोग में एक बंदर के दिमाग से रोबोट को संचालित करके दिखाया गया। परीक्षण के अंतर्गत एक खास तरह की ट्रेडमिल पर बंदर को चलाया गया और उसके दिमाग से जोड़े गए इलेक्ट्रोड्स से प्राप्त संकेतों को ह्युमनॉइड रोबोट तक भेजा गया। प्रयोग में रोबोट ने न सिर्फ बंदर की तरह धीमे अथवा तेज चलने की गति का अनुसरण किया, बल्कि चाल का उसका पैटर्न भी बिल्कुल बंदर जैसा ही था। जैसे कि रोबोट उस वक्त भी चलता रहा, जब बंदर ने ट्रेडमिल पर चलना बंद कर दिया था। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि बंदर ने रुक जाने के बाद भी चलने के बारे में सोचना बंद नहीं किया था। यानी रोबोट ने बंदर के दिमाग के न्यूरॉन्स की गतिविधियों को पढ़ लिया था।

हालांकि ऐसा नहीं है कि दिमाग को मशीन, कम्प्यूटर अथवा इलेक्ट्रोड से जोड़ने के मामले में मस्क की कंपनी न्यूरोलिंक ही अग्रणी हो। बल्कि ऐसे कई प्रयोग कुछ अन्य जगहों पर चलते रहे हैं। जैसे वर्ष 2016 में ऐसा ही एक प्रयोग अमेरिका के हारबॉरव्यू मेडिकल सेंटर में किया गया था। वहां मानसिक बीमारी- एपिलेप्सी से जूझ रहे सात मरीजों में सर्जरी करके दिमाग के एक खास हिस्से 'टेंपरॉल लॉब्स' में इलेक्ट्रोड फिट कर दिए गए थे। इन मरीजों को कम्प्यूटर मॉनिटर पर तेजी से (करीब 400 मिलीसेकेंड के अंतराल पर) इंसानी चेहरों, मकानों की सैकड़ों तस्वीरों के साथ-साथ स्लेटी रंग की खाली स्क्रीन भी दिखाई गई। इस दौरान शोधकर्ता वैज्ञानिकों ने पाया कि जब इंसानी चेहरे दिखाए गए, तो दिमाग के एक अलग हिस्से में हरकत हुई, पर मकानों के चित्र दिखाए जाने पर दूसरे हिस्से में सक्रियता नजर आई। इस आकलन के आधार पर वैज्ञानिकों ने दावा किया कि उन्होंने कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद से यह डिकोड करने यानी पता लगाने में करीब 96 प्रतिशत सफलता हासिल कर ली है कि दिमाग के किस हिस्से में किस तरह के विचार पैदा होते हैं।

इसी तरह की एक खोज करीब दस साल पहले 2014 में चिकित्सा का नोबेल जीतने वाले ब्रिटिश-अमेरिकी और नॉर्वे के वैज्ञानिकों ने कुछ साल पहले की थी। इन वैज्ञानिकों ने अपने शोध में यह पता लगाने की कोशिश की थी कि कैसे हमारा दिमाग कुछ चीजों के बारे में एक राय बनाता है और किसी स्थान की पहचान करता है। ब्रिटिश-अमेरिकी रिसर्चर जॉन ओ. कीफ और नॉर्वे के एडवर्ड मोजर व उनकी पत्नी मे-ब्रिट मोजर को संयुक्त रूप से यह रहस्य सुलझाने के लिए नोबेल दिया गया था कि हमारे दिमाग के कौन से हिस्से की सक्रियता स्थान विशेष की पहचान कराती है। इस शोध को दिमाग के जीपीएस (ग्लोबल पोजिशिनिंग सिस्टम) जैसी व्यवस्था का संकेत करने वाला बताया गया था। चूहों पर किए गए प्रयोगों के आधार पर इन वैज्ञानिकों ने यह साबित किया था कि जीवों के दिमाग का यह अंदरूनी जीपीएस ही किसी जगह का नक्शा बनाता है और स्थान की पहचान कराता है। यह शोध सिर्फ स्थान की पहचान कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि कुछ खास दिमागी बीमारियों, जैसे अल्जाइमर के निदान की राह खोलने में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के आ जाने के बाद से हम उम्मीद कर सकते हैं कि प्रयोगशाला में इंसानी दिमाग जैसी संरचना बना लिए जाने और दिमाग को पूरी तरह पढ़ लिए जाने वाली कोशिशों में और तेजी आएगी। पर सवाल है कि कहीं ऐसे में मशीनें ही हमारे दिमाग को अपने काबू में तो नहीं कर लेंगी। फिलहाल मशीन और इंसान में एक मौलिक अंतर यह है कि मशीनों के पास दिमाग नहीं होता। अगर मशीनें हमारी तरह सक्रिय दिमाग और विचार की क्षमता से लैस होतीं, तो वे इंसानों को अपना दास बना चुकी होतीं, जैसा हॉलिवुड की कई फिल्मों में दिखाया जा चुका है। पर अनेक करिश्मे करने और समूची जीव सभ्यता पर छा जाने वाले इंसान के दिमाग की बराबरी पर पहुंचने के बाद इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है कि भविष्य में ब्रेन चिप से लैस इंसान बाकी सभ्यता पर भारी पड़ जाएं। या हो सकता है कि मशीनी दिमाग ही इतनी ताकत हासिल कर लें कि वे इंसानों को कायनात पर उसकी बादशाहत से ही बेदखल कर दें। अभी तो ये आशंकाएं दूर की कौड़ी लग सकती हैं, लेकिन अतीत पर नजर दौड़ाने से लगता है कि कई मामलों में इंसान अपना नियंत्रण खो चुका है और मशीनें हमसे आगे निकल गई हैं। इसलिए देखना है कि दिमाग के मामले में इंसान का वश कब तक चलता है। ब्रेन चिप्स के मौजूदा प्रयोगों को देखें, तो ये आशंकाएं सिर उठा चुकी हैं कि एआई की मदद लेकर कंपनियां या सरकारें हमारे मस्तिष्क और हमारी स्मृतियों पर नियंत्रण कर सकती हैं। ऐसे में यदि किसी के दिमाग में सरकार की मुखालफत का विचार आता है या कंपनी अपने उत्पादों को हमारे दिमाग में ठूंसना चाहती हैं, तो ब्रेन चिप्स की मदद लेकर हमारे विचारों को नियंत्रित कर सकती हैं। ऐसा हुआ तो इसका अंजाम कम खतरनाक नहीं होगा।

वैसे तो कहा जाता है कि अपने मस्तिष्क की खूबियों के बल पर ही कोई एक व्यक्ति दूसरे के मुकाबले बेहतर साबित होता है, लेकिन कई बार यह अंतर पूरे समुदाय के मामले में एक स्थापित राय बन जाता है। इस अंतर को एक पहेली की तरह देखा जाता है कि आखिर क्यों दुनिया में कुछ खास इलाके और समुदाय-प्रजाति से जुड़े लोग दिमागी काम करने में आगे रहते हैं और क्यों दूसरी प्रजातियों-इलाकों के लोग इस मामले में पिछड़ जाते हैं।

मण्डलायुक्त ने खादी महोत्सव के लिए परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी की सराहना

आगामी वर्ष का आयोजन वृहद स्तर पर करने के लिए अभी से प्लानिंग करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर। मण्डलायुक्त डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद द्वारा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा कम्पनी बाग में आयोजित किए गये खादी महोत्सव के लिए परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी एस0एल0 अग्रवाल की सराहना करते हुये आगामी वर्ष का आयोजन वृहद स्तर पर किये जाने हेतु अभी से प्लानिंग करने के निर्देश दिये गये। इस प्रदर्शनी में खादी ग्रामोद्योग, महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों, हस्तशिल्प शिल्पियों / इकाईयों द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों के 85 स्टाल लगाये गये है, जिनमें शहद, आयुर्वेदिक उत्पाद, विभिन्न प्रकार के अचार, आगरा निर्मित जूतें, पटियाला की जूती, महाराष्ट्र की रेशम की साडी, बनारस की साडी, विश्व प्रसिद्ध सहारनपुर निर्मित काष्ट का नक्काशीदार फर्नीचर, मुरादाबाद की पीतल की वस्तुयें एवं खादी वस्त्र आदि की बिक्री की गयी। शहरवासियों द्वारा बढ चढकर प्रदर्शनी में लगाये गये

स्टालों का भ्रमण कर खरीददारी की गयी। दिनांक 21.11.2024 तक प्रतिभागी इकाईयों द्वारा लगभग 1.20 करोड की बिकी की गयी, जो कि गत वर्ष के सापेक्ष 1.5 गुणा अधिक है। अवगत कराना है कि उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा कम्पनी बाग के परिसर में 08 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक खादी महोत्सव-2024-25 का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार जसवन्त सैनी द्वारा किया गया था।

कटनी नदी में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

हत्या की आशंका पर जांच जारी

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी कोतवाली थाना क्षेत्र चांडक चौक पुल के नीचे कटनी नदी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पानी में डूब हुआ दिखाई दिया। जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर सैकड़ो लोग शव देखने नदी के घाट पहुंच गए वही मौके पर कोतवाली पुलिस बल भी पहुंच गया और शव को नदी से बाहर निकलवा पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

अज्ञात व्यक्ति का शव पूरी तरह पानी में डूब हुआ था। वही इलाके के लोगो बताया कि इस घाट में रात के वक्त कई लोग अवैध गतिविधियों करते है और रात में पुलिस भी गस्त करने यहां नहीं आती है। पानी में डूब हुए शव को देख यह संदेह भी लगाया गया कि व्यक्ति की हत्या कर नदी में डूबा दिया गया है क्यों कि नदी में इतना पानी भी नहीं है जिसमे व्यक्ति डूब जाए। वही इस मामले में जब कोतवाली थाना क्षेत्र के बस स्टैंड पुलिस चौकी के प्रभारी अंकित मिश्रा से बात की गई तो उनका कहना था कि जैसे ही उन्हें इस घटना की सूचना मिली वह मौके पर पहुंच आघात व्यक्ति के शव को पानी से निकाल शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है वही शव के शारीर में किसी भी चोट के निशान नहीं है। ओर बाकी पीएम रिपोर्ट के आने के बाद भी पता चलेगा। वही अज्ञात मृत व्यक्ति की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। की मृतक का नाम क्या है और वह कहा का रहने वाला है। इस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

स्कूलों में श्रमदान कराते हुए करें छात्रों को पुरस्कृत, प्लास्टिक एकत्र कर किया जाए बेंच का निर्माण : डीएम मनीष बंसल

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण, वृक्षारोपण और गंगा समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि वृक्षारोपण 2024 के दौरान लगाए गए पौधों का पूर्ण निरीक्षण करने के बाद सुनिश्चित करे कि सभी विभागों को दिया गया टारगेट उनके द्वारा पूर्ण करा लिया गया है। जनपद में बायोमेडिकल वेस्ट का एकत्र करने वाली एजेंसी को निर्देशित किया गया कि जगह-जगह कोई कचरा न डाला जाये लापरवाही करने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी साथ ही उन एजेंसीज को अपने गाड़ियों की संख्या बढ़ने हेतु भी निर्देशित किया गया। जनपद में चल रहे प्लास्टिक की शवयात्रा कार्यक्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा 95 क्विंटल, नगर निगम द्वारा 35 क्विंटल एवं अन्य निकायों द्वारा भी लगभग 60 क्विंटल प्लास्टिक इस

माह में एकत्रित किया गया। आने वाले समय में बीएसए एवं डीआईओएस को भी इस कार्यक्रम के अंतर्गत जोड़ने को कहा। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि जनपद में हर महीने विभागों द्वारा प्लास्टिक का एकत्रण किया जाए। जिससे पार्क में लगने वाली बेंच का निर्माण नगर निगम द्वारा करवाने के निर्देश दिए। सभी स्कूलों में माह में एक दिन श्रमदान का कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाये। कैलाशपुर वेटलैंड की सफाई का कार्य भी आने वाले समय में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा शुरू करने के निर्देश दिए। जिसके अंतर्गत वेटलैंड को पहले के भांति पूर्ण रूप से सुरक्षित कर दिया जायेगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, डीएफओ शुभम सिंह, डीएफओ श्वेता सैन सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

समाधि स्थल पर हुए जैन महासतियों के प्रवचन

संप्रदायवाद से दूर रहकर की जानी चाहिए समाज की सेवा-महासती

शाजापुर, हिम्मतमल माणकचंद नारेलिया के बगीचे में स्थित श्रमण संघीय जैन महासती रतनकुंवर महाराज साहब की समाधि पर श्रमण संघीय महासती डॉक्टर आदर्श ज्योति, महासती डॉक्टर आत्म ज्योति, महासती डॉक्टर रजत ज्योति के सानिध्य में जैन समाज द्वारा महामंत्र नवकार के जाप का आयोजन किया गया। इस मौके पर दक्षिण ज्योति महासती, डॉक्टर आदर्श ज्योति महाराज साहब ने अपने प्रवचन में कहा कि महासती रतनकुंवरजी ने 9 वर्ष की बाल्यावस्था में अपने जीवन में जैन भगवती दीक्षा को ग्रहण किया। उनका पूरा जीवन जैन धर्म के भगवान महावीर के संदेश को जनजन तक पहुंचा कर अहिंसा पारमोधर्म जिओ और जीने दो एवं करुणा दया और मैत्री के संदेश को भारत में पैदल भ्रमण करके प्रचारित करते हुए बीता। उनका शाजापुर से विशेष संबंध था। शाजापुर में महासती वल्लभकुंवर एवं महासती

पानकुंवर जी ने जैन भगवती दीक्षा ग्रहण की। शाजापुर स्थित कसेरा बाजार जैन स्थानक में 50 वर्षों से ताले नहीं लगे क्योंकि यहां पर आपकी 7 महासतियों ने वृद्धावस्था में निर्वाण गति को प्राप्त किया। शाजापुर संघ की सेवा भक्ति एवं समर्पण से आपके जीवन में संयम, साधना से प्रभावित होकर आचार्य सम्राट आनंद ऋषि महाराज साहब ने आचार्य पदवी के बाद पहला चातुर्मास शाजापुर को प्रदान किया। महासती ने कहा कि शाजापुर का एक गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास है। वहीं महासती डॉक्टर आदर्श ज्योति ने कहा कि नगर में हिम्मतमल जैन की सेवा भक्ति एवं डॉक्टर सागरमल जैन की विधाता से जैन समाज शाजापुर की पहचान है। उन्होने कहा कि समाज को संप्रदायवाद से दूर रहकर समाज और संतों की सेवा में समर्पित होकर काम करना चाहिए। महासती ने कहा कि जीवन में विनम्रता, सज्जनता, दया और करुणा ही जीवन की आधारशिला है, यह जीवन के आभूषण हैं। उन्होने कहा कि शाजापुर के पूर्वजों के स्मरण के साथ उनका जीवन जैन धर्म के लिए ही नहीं मानो कल्याण के लिए समर्पित रहा है। ऐसी आत्माओं ने महासती रतनकुंवर जी की जो सेवा कि वह एक आदर्श है। शाजापुर को निरंतर महासतियों के चातुर्मास प्राप्त हुए यह शाजापुर संघ का गौरव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता माणकचंद नारेलिया ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

भाजपा पदाधिकारियों ने साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखी

शंभूपुरा। भाजपा पदाधिकारीयो एवं कार्यकर्ताओं ने सांसद सी पी जोशी, भाजपा जिलाध्यक्ष मिट्ठू लाल जाट एवं भाजपा नगर अध्यक्ष सागर सोनी की उपस्थिति में पद्मिनी माल में गोधरा कांड पर बनी फिल्म %द साबरमती रिपोर्ट का विशेष शोदेखा। पदाधिकारियों ने फिल्म देखकर गोधरा कांड की हकीकत को जाना। इस अवसर पर सांसद जोशी ने कहा कि सत्य घटना पर आधारित इस फिल्म को अधिक से अधिक लोगों को अवश्य देखना चाहिए, ताकि लोगों को देश की घटनाओं तथा समाज मे क्या घट रहा है उसकी सही जानकारी पता चल सके। सांसद जोशी ने फिल्म के डायरेक्टर, निर्देशक और फिल्म में काम करने वाले कलाकारों का फिल्म के माध्यम से युवा पीढ़ी और दुनिया के सामने सच रखने पर आभार जताया इस दौरान भाजपा भाजपा जिला महामंत्री रघु शर्मा, रणजीत सिंह भाटी, हर्षवर्धन सिंह रूद, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मनोज पारीक, जिला कोषाध्यक्ष हरीश ईनानी, रजनीश पितलिया, गौरव त्यागी, नगर महामंत्री घनश्याम लोट, संजय सुहालका, नगर मंत्री विष्णु सेन, भाजयुमो नगर अध्यक्ष अविनाश शर्मा, नगर मीडिया प्रभारी लोकेश मिश्रा, दीपक शर्मा, शुभम सुखवाल, उमाशंकर दिवस हरीश गुरनानी, प्रमोद राजपुरोहित, अर्जुन जोनवाल आदि उपस्थित रहे।

विशेष सर्वेक्षण अभियान अंतर्गत आज से चिन्हित किए जाएंगे असाक्षर...कार्यक्रम में बनाई रूपरेखा

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, विशेष सर्वेक्षण अभियान अंतर्गत आज से असाक्षर चिन्हित किए जाएंगे, इसके ि क्रयान्वयन के लिए शु क्रवार को उमावि रंथभवर में जनशिक्षा केंद्र रंथभंवर, बेरछा, सुंदरसी, मकोड़ी केंद्र के संस्था प्रधानों का उन्मुखीकरण बीआरसीसी योगेश भावसार के समन्वयन में किया गया। संकुल प्राचार्य एआर सोलंकी, राजेश पाटीदार, बीएसी देवेंद्र पाठक, जगदीश भावसार ने विभिन्न विभागीय योजनाओं पर प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान शाजापुर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक योगेश भावसार ने बताया कि 23 नवंबर से 1 दिसंबर तक डोर-टू-डोर असाक्षर सर्वे की मॉनिटरिंग के लिए विकासखंड साक्षरता समन्वयक, विकासखंड अकादमिक समन्वयक, संकुल साक्षरता समन्वयक, जन शिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सर्वे के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि कोई असाक्षर साथी सर्वे कार्य से नहीं छुटे। भावसार ने बताया कि

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुसार 15 से अधिक आयुवर्ग के असाक्षरों को नवसाक्षर करने हेतु प्रदेश के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्य क्रम संचालित किया जा रहा है। कार्य क्रम के तहत 2027 तक प्रदेश को पूर्ण साक्षर किए जाने का लक्ष्य है। इस हेतु शनिवार से ग्राम, वार्ड स्तर के प्रत्येक घर के असाक्षरों का सर्वेक्षण विद्यालयों, महाविद्यालयों, एनसीसी, एनएसएस स्काउट गाइड के छात्र-छात्राएं एवं बीएड डीएड के प्रशिक्षणार्थी शिक्षक अक्षरसाथियों के माध्यम से प्रोजेक्ट कार्य के रूप में करवाया जाएगा। सर्वे कार्य ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड में होगा, परन्तु कार्य क्रम के व्यवस्थित एवं पारदर्शी संचालन हेतु बनाए गए एनआईएलपी-एमपी मोबाइल एप्प के द्वारा प्रत्येक असाक्षर की जानकारी अनिवार्यतरू रजिस्टर्ड की जाएगी। नियत सर्वेक्षण समयावधि में जिले में उक्त आयोजन के कुशल क्रियान्वयन के लिए जिला परियोजना समन्वयक, विकासखंड स्तर पर विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। समन्वय स्थापित कर विकासखंड साक्षरता समन्वयक अपने क्षेत्राधिकार में सभी असाक्षरों का शत-प्रतिशत सर्वेक्षण कार्य पूर्ण करवाकर एनआईएलपी एप्प पर उक्त सर्वे प्रविष्टि की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करेंगे। बैठक में विकासखंड साक्षरता समन्वयक लोकेश राठौर, संकुल समन्वयक श्याम परमार, जनशिक्षक बीएल छाबड़ी आदि उपस्थित थे।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय की छात्राओं को मिली निःशुल्क साइकिल

शाजापुर। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में निन्शुल्क साइकिल वितरण योजना अंतर्गत शुक्रवार को ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्र में आने वाली पात्र छात्राओं को साइकिल वितरण की गई। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अरुण भीमावद ने संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शासन छात्राओं के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रहा है, जिसमें मुख्य निन्शुल्क साइकिल वितरण है जो ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्र में आने वाली छात्रों को वितरित की जाती है। विधायक ने छात्राओं से डॉक्टर, इंजीनियर एवं शिक्षक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ विवेक दुबे ने बताया कि विद्यालय में सुरक्षा को देखते हुए सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं, क्योंकि गर्ल्स स्कूल में छात्राओं की सुरक्षा के लिए यह बहुत ही जरूरी था। इस अवसर पर नगरपालिका उपाध्यक्ष संतोष जोशी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी, मनोहर विश्वकर्मा, रामचंद्र भावसार, उमेश टेलर सहित छात्राएं मौजूद थीं। संचालन राजेंद्र नामदेव और संजय कुमार सोनी ने किया तथा आभार विद्यालय प्रभारी प्राचार्य मुकेश दुबे ने माना।

सिंहस्थ के पहले उज्जैन में बनकर तैयार होगा मेडिसिटी एवं चिकित्सा महाविद्यालय - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

महाकाल की निगरानी में होगा अब हर मर्ज का ईलाज
दुनियाभर में जाना जायेगा उज्जैन का मेडिसिटी
प्रायवेट सेक्टर के साथ मिलकर उज्जैन में ही मेडिकल टूरिज्म भी होगा स्थापित
मुख्यमंत्री ने उज्जैन में 592.30 करोड़ की मेडिसिटी एवं चिकित्सा महाविद्यालय का किया भूमि-पूजन

नीमच , मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के उज्जैन को मेडिसिटी एवं चिकित्सा महाविद्यालय की सौगात दी है। इसका गुरूवार को भूमि-पूजन किया गया। सिंहस्थ के पहले यह महत्वाकांक्षी प्राजेक्ट तैयार हो जायेगा। इस नवीन व्यवस्था से महाकाल की निगरानी में अब हर मर्ज का ईलाज होगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उज्जैन की मेडिसिटी दुनियाभर में जानी जायेगी। उज्जैन में हाईटेक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ मेडिकल डिवाईस पार्क भी विकसित होगा। एक ही परिसर में सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हाईराईज बिल्डिंग बनाई जाएगी तथा एक-एक इंच भूमि का उपयोग किया जायेगा। परिसर में ही चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ आदि के लिए आवासीय व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश गठन के बाद वर्ष 2003-04 तक प्रदेश में कुल 05 मेडिकल कॉलेज थे। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में 30 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें 17 सरकारी हैं और 13 निजी क्षेत्र के हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और समाज सहकार के साथ व्यवस्थाएं बनाएंगे। अगले वर्ष 12 मेडिकल कॉलेज और तैयार हो रहे हैं। जिन चिकित्सालयों की क्षमता अधिक है वहां चिकित्सा शिक्षा की व्यवस्था करने की भी योजना है। प्रदेश में पहले चिकित्सा शिक्षा एवं लोक स्वास्थ्य अलग-अलग विभाग होते थे, जिन्हें अब एक कर दिया गया है। सरकार एक-एक पैसे का सदुपयोग कर आम जनता को सुविधाएं दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को उज्जैन में 592.30 करोड़ रूपये लागत से निर्मित होने वाली मेडिसिटी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का भूमि-पूजन कर संबोधित कर रहे थे। भूमि-पूजन के दौरान वेदपाठी बाह्णों द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेडिसिटी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सिंहस्थ-2028 के पहले प्रारंभ होगा। उज्जैन में प्रायवेट सेक्टर के साथ मिलकर मेडिकल टूरिज्म की स्थापना भी की जाएगी। उज्जैन में प्रदेश ही नहीं बल्कि विदेशों से आने वाले सभी मरीजों का उपचार किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा आयुष्मान भारत निरामय योजना शुरू करने के बाद

राज्य सरकार ने भी तीन महीने में ही गंभीर मरीजों को एयर लिफ्ट कर बड़े चिकित्सालयों में उपचार कराने की सुविधा शुरू की है। जिन स्थानों पर एयरपोर्ट या हवाई पट्टी नहीं है वहां हेलीकॉप्टर से एयर लिफ्ट कर मरीजों को उपचार की सुविधा दी जा रही है। वर्तमान में प्रदेश में 5000 विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान की जा रही है, जो आने वाले समय में 10 हजार हो जायेगी। साथ ही प्रदेश में आयुर्वेद के 5 मेडिकल कॉलेज शुरू कर रहे हैं। उज्जैन के आयुर्वेदिक धनवंतरी महाविद्यालय को सर्वसुविधायुक्त एम्स की तरह बनाया जायेगा, इसकी प्रक्रिया चल रही है। साथ ही उज्जैन में हौम्योपैथी महाविद्यालय भी शुरू कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को रोजगार मूलक पैरामेडिकल एवं नर्सिंग की शिक्षा देने के निर्देश दिये गये हैं, इससे प्रदेश में रोजगार उपलब्ध होगा। विश्वविद्यालय को पैरामेडिकल एवं नर्सिंग परीक्षाएं भी आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी चिकित्सालयों में शव वाहन की व्यवस्था भी की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सिकल सेल-एनीमिया के उन्मूलन के पर्याप्त इंतजाम किये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन कलेक्टर कार्यालय का नवीन भवन माधव नगर थाने के पास की जमीन पर निर्मित कराने का भी निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम को उप-मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल एवं स्थानीय विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर भगवान धनवंतरि की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं कन्या-पूजन कर किया। मालवी पगड़ी पहनकर कार्यक्रम में पहुँचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित जन-समूह का पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित किये, जिसमें ग्राम पंचायत ब्रजराज खेड़ी के श्री दीपक शर्मा को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के लिए प्रोत्साहन राशि, उज्जैन नगर पालिक निगम की बेबी बाई को आयुष्मान भारत निरामय योजना की 5 लाख रूपये, ग्राम पंचायत गंगेड़ी को पिंक टॉयलेट निर्माण के लिए 4.84 लाख रूपये का चेक प्रदान किया। प्रदेश की पहली मेडिसिटी उज्जैन में निर्मित होने वाली प्रदेश की पहली मेडिसिटी एवं मेडिकल कॉलेज 14.97 एकड़ में 592.3 करोड़ रूपये की लागत से बनेगा। इसमें 6 हाईराइज टॉवर होंगे। टीचिंग हॉस्पिटल का भवन 9 मंजिला होगा, जिसमें बेसमेंट भी शामिल है। मेडिकल कॉलेज का भवन 8 मंजिला होगा इसमें भी बेसमेंट बनाया जाएगा। नर्सेस होस्टल, आरडीएच ब्लॉक व यूजी इंटर्न गर्ल्स होस्टल के भवन 14 मंजिला होंगे। वहीं यूजी इंटर्न बॉइस होस्टल का भवन 11 मंजिला होगा। मेडिसिटी चिकित्सा महाविद्यालय सम्पूर्ण रूप से दक्ष होगा इसमें रिसर्च एंड डवलपमेंट की सभी सुविधाएँ होंगी। इस महाविद्यालय में 550 बेड की क्षमता का अस्पताल होगा तथा इसमें 150 मेडिकल छात्रों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान की जाएगी। महाविद्यालय में 380 क्षमता का नर्सिंग होस्टल, यूजी इन्टर्न गर्ल्स व बोइस होस्टल, सर्विस ब्लॉक, लाईब्रेरी, पार्किंग, जिमनेशियम, फुटओवर ब्रीज की सुविधाओं से सम्पन्न होगा। मेडिसिटी मेडिकल कॉलेज के भवन में उर्जा दक्षता, फायर सेफ्टी, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, सोलर पॉवर, इलेक्ट्रिसिटी बेकअप, सिवरेज ट्रीटमेंट प्लाँट आदि आधुनिक तकनीकिओं का उपयोग होगा। कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री एवं उज्जैन जिला प्रभारी श्री गौतम टेटवाल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, राज्यसभा सांसद श्री बालयोगी उमेशनाथ महाराज, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक सर्व श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीश मालवीय, डॉ. तेज बहादुरसिंह चौहान, श्री जितेन्द्र पंड्या एवं शाजापुर विधायक श्री अरूण भीमावद, महापौर श्री मुकेश टटवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर अंतरसिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर, नगरनिगम सभापति अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष श्री सनवर पटेल, श्री विवेक जोशी, श्री बहादुरसिंह बोरमुण्डला सहित जन-प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

जमुनियाकला में आज आयुष चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नीमच , जिला मुख्यालय के समीपस्थ आयुष ग्राम जमुनियाकला में आज 23 नवम्बर 2024 को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयुष चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज पाटीदार एवं डॉ. विमला पाटीदार सहित अन्य आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी आयुर्वेद पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा स्वास्थ्य शिविर में सेवाएं दी जाएगी। जिला आयुष अधिकारी डॉ. आशीष बोराना ने ग्रामीणों से इस शिविर का लाभ उठाने का आगृह किया है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह से संगठन के लिए चर्चा करते हुए अशोक सैनी

महू-इंदौर- जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया सिमरोल ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक सैनी द्वारा मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से भोपाल में सौजन्य भेंट कर महू विधानसभा कांग्रेस संगठन के लिए चर्चा की।

सीएम राइज विनोबा रतलाम के विद्यार्थी प्रिंस

88 वी राष्ट्रीय शालेय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता हेतु चयनित

रतलाम / सीएम राइज विनोबा रतलाम के विद्यार्थी प्रिंस पिता श्याम सुंदर परमार का चयन 88 वी राष्ट्रीय शालेय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता हेतु हुआ है। प्रिंस 19 से 23 नवम्बर तक लखनऊ में होने वाली राष्ट्रीय लांग जम्प स्पर्धा में सहभागिता करेगा। सी एम राइज विनोबा के खेल शिक्षक प्रह्लाद बैरागी ने बताया कि प्रिंस राष्ट्रीय स्पर्धा के पूर्व प्री-नेशनल कोचिंग कैम्प में भी शामिल होगा। स्मरणीय रहे प्रिंस ने गत वर्ष भी राष्ट्रीय स्पर्धा में पटना में सहभागिता करके प्रथम दस में स्थान बनाया था। प्रिंस की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी अनिता सागर, संस्था प्राचार्य संध्या वोरा, उपप्राचार्य श्री गजेंद्रसिंह राठौर, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री महेंद्रसिंह सोलंकी, जिला खेल संयोजक श्री दीपेंद्रसिंह ठाकुर और स्टाफ ने शुभकामनाएं दी है।

आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु जिला न्यायालय परिसर में 26 नवंबर को लगेगा शिविर

धार/ संविधान दिवस के उपलक्ष्य में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धार श्री संजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार जिला न्यायालय परिसर धार में स्वास्थ्य विभाग एवं नगरपालिका के समन्वय से 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु 26 नवंबर को कैप का आयोजन किया जा रहा है। अतः जिले के ऐसे समस्त व्यक्ति जिनकी उम्र 70 वर्ष या उससे अधिक है एवं उनके आयुष्मान कार्ड नहीं बने है वे अपने आधार कार्ड के साथ जिला न्यायालय परिसर धार में उपस्थित होकर आयुष्मान कार्ड बनवाकर शिविर का लाभ प्राप्त सकते है।

68 वीं राज्य स्तरीय शालेय बेसबॉल प्रतियोगिता का प्रथम दिवस आयोजन पूर्ण

मंदसौर / 68 वीं राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता (17 वर्ष) बालक/बालिका के खेल का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि.के खेल मैदान में प्रथम दिन का आयोजित हुआ। प्रतिभागी खिलाड़ियों से परिचय किया गया। प्रथम दिवस में बालक वर्ग मैच में इंदौर संभाग वर्सेस सागर संभाग में 3-0 से इंदौर विजेता रहे। भोपाल संभाग वर्सेस ग्वालियर संभाग में 10-1 से भोपाल विजेता रहे, उज्जैन वर्सेस जनजाति कार्य विभाग 10-2 से उज्जैन विजेता रहे, रीवा वर्सेस जबलपुर 6-5 से रीवा विजेता रहे, सागर वर्सेस नर्मदापुरम संभाग में 7-0 से सागर संभाग विजेता रहे तथा बालिका वर्ग में रीवा वर्सेस जबलपुर संभाग में 14-5 से रीवा संभाग विजेता रहे, सागर वर्सेस भोपाल संभाग में 11-2 से सागर संभाग विजेता रहे, उज्जैन संभाग वर्सेस जनजाति कार्य विभाग 6-0 से उज्जैन विजेता रहे, इंदौर संभाग वर्सेस ग्वालियर संभाग 7-6 से इंदौर संभाग विजेता रहे, जनजाति वर्सेस नर्मदा पुरम में 10-2 से जनजाति विभाग विजेता रहे। कृषक सहकारी समितियों एवं निजी संस्थाओं से नगद में उर्वरक प्राप्त करें मन्दसौर 22 नवंबर 2024/ उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा बताया गया कि वर्तमान में जिले में लगभग 85 प्रतिशत क्षेत्रफल बुवाई हो चुकी है। जिन कृषकों को उर्वरक की आवश्यकता है वे सहकारी समितियों, डिफॉल्टर कृषक नगद विक्रय केंद्रो एवं निजी संस्थाओं, मार्केटिंग सोसायटी सीतामऊ/सुवासरा एवं एम.पी. एग्रो, मंदसौर, दलौदा से कृषक नगद में उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं। जिले में सहकारी समितियों के पास 2484 मे. टन यूरिया, 1019 मे. टन डीएपी, 1472 मे. टन एन.पी.के., 1934 मे. टन एस.एस.पी. तथा 397 मे. टन एम.ओ.पी. उर्वरक उपलब्ध है। नगद विक्रय केंद्र डबल लॉक, मन्दसौर, मल्हारगढ़, सीतामऊ, शामगढ़ तथा भानपुरा में भी यूरिया डीएपी एवं पोटाश का भण्डारण है।

हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान वर्ष भर चलेगा जन-जागरूकता अभियान

संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश में चलेगा अभियान

संसदीय कार्य विभाग ने विभागाध्यक्ष और कलेक्टर्स को जारी किया पत्र

मन्दसौर / देश में 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद तैयार किया गया संविधान 26 नवम्बर 1949 को अपनाया गया था। इसके बाद देश में 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया था। संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने पर संविधान की जानकारी के प्रति जन-जागरूकता के लिये 26 नवम्बर 2024 से वर्ष भर चलने वाला हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में संसदीय कार्य विभाग ने शासन के समस्त विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त और कलेक्टर्स को पत्र जारी कर निर्देश जारी किये हैं।अभियान के दौरान जन-सामान्य को संविधान की प्रस्तावना, संविधान का निर्माण और देश के संविधान पर गर्व करने जैसे बिन्दुओं पर मुख्य रूप से जानकारी दी जायेगी। इसी दौरान जन-समुदाय के बीच में संविधान पर केन्द्रित कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। वर्ष भर की गतिविधियों को एक डिजिटल प्लेटफार्म पर लाने के लिये वेबसाइट constitution z.com भी तैयार की गई है वेबसाइट में गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो अपलोड किये जा सकेंगे। इस अभियान में युवाओं और स्कूल के बच्चों को अधिक से अधिक जोड़ने के लिये एक अन्य वेबसाइट https://www.mygov.in: पर संविधान विषय पर निबंध, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता की तस्वीरें साझा की जा सकती हैं।स्थापना दिवस पर आयोजन संविधान के स्थापना दिवस 26 नवम्बर 2024 को मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रमों में जन-प्रतिनिधि नागरिकों के बीच संविधान की प्रस्तावना को पढ़ेंगे। इसी दिन प्रदेश भर की ग्राम पंचायतों में भी सामुहिक रूप से संविधान प्रस्तावना का वाचन किया जायेगा। ग्राम पंचायतों को बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के योगदान का प्रचार करने के लिये मायभारत स्वयं सेवकों के माध्यम से संविधान स्वाभिमान यात्राएं आयोजित किये जाने के लिये भी कहा गया है। यह यात्राएं अनुसूचित जाति -अनुसूचित जनजाति घनत्व वाली आबादी में विशेष रूप से हो। यात्रा के दौरान बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी। ग्राम सभाओं में संविधान के अनुच्छेद-51(ए) में नागरिकों के मौलिक कर्तत्व्यों को पढ़कर सुनाया जायेगा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना हेतु फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य

रतलाम 22 नवंबर 2024/प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना हेतु फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। दिसंबर 2024 के उपरांत केवल फार्मर आईडी उपलब्ध होने पर ही योजना का लाभ हितग्राही को प्राप्त हो सकेगा। कलेक्टर श्री राजेश बाथम ने समस्त संबंधित हितग्राहियों से अपील की है कि वह अपनी फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से करवा ले। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का निरंतर लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री बनाना अनिवार्य किया गया है। सर्वप्रथम अपने आधार से मोबाइल नंबर लिंक करें, उपरांत अपने नजदीकी सीएससी केंद्र अथवा गांव के पटवारी के माध्यम से फॉर्मर रजिस्ट्री करवा सकते हैं अथवा व्यक्ति स्वयं लिंक पर जाकर मोबाइल नंबर से रजिस्टर कर आधार ओटीपी के माध्यम से स्वयं भी फार्मर रजिस्ट्री कर सकते हैं। एसएलआर श्री अभिषेक मालवीय ने बताया कि आगामी समय में फार्मर आईडी अन्य योजनाओं में भी अनिवार्य होगी। जिले के मैदानी अमले को निर्देशित किया गया है कि अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर किसानों की सहभागिता से फार्मर आईडी जनरेट करने की कार्रवाई पूर्ण करवाई जाए। फार्मर रजिस्ट्री का उद्देश्य है कि समस्त भू-धारियों के आधार लिंक्ड रजिस्ट्री तैयार करना है जिसमें भू-धारियों को एक अन्य फार्मर आईडी प्रदान किया जाएगा। फार्मर रजिस्ट्री के उद्देश्यो में योजनाओं का नियोजन, लाभार्थियों का सत्यापन, कृषि उत्पादों का सुविधाजनक वितरण, प्रदेश के समस्त किसानों को राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सम तथा पारदर्शी तरीके से प्रदान करने हेतु लक्ष्य निर्धारण एवं पहचान किसानों के लिए कृषि ऋण तथा अन्य सेवा प्रदाताओं के लिए कृषि सेवाओं की सुगमता शामिल है। फार्मर रजिस्ट्री के लाभ अंतर्गत पीएम किसान सम्मान निधि योजना हेतु फार्मर रजिस्ट्री के अनिवार्यता की शर्त पूर्णता के साथ हितग्राहियों को लाभ प्राप्त करने में सुगमता रहेगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सैचुरेशन फसल बीमा योजना का लाभ प्राप्त करने में सुगमता, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद में कृषकों के पंजीयन में सुगमता तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु बार-बार सत्यापन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। फार्मर रजिस्ट्री का क्रियान्वयन पोर्टल पटवारी, स्थानीय युवा तथा किसान हेतु फार्मर रजिस्ट्री का क्रियान्वयन पोर्टल https://mpfr.agristack.gov.in ãñÐ ×ôÕæ§Ü °Â Farmer ragistry MP है, मोबाइल एप Farmer sahayak MP App (स्थानीय युवा हेतु)के माध्यम से किया जाना है।

जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेला आगामी 04 दिसम्बर को

रतलाम / सूक्ष्म, लघु व माध्यम व कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं रोजगार कार्यालय द्वारा जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन 04 दिसम्बर को शासकीय आई.टी.आई सैलाना रोड रतलाम में रखा गया है जिसमें 10 से 12 निजी क्षेत्र की कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा नियमित पदों पर भर्ती की जावेगी एवम् संबधित विभागों द्वारा अलग-अलग स्वरोजगार योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में ख्याति प्राप्त कम्पनियों द्वारा मशीन आपरेटर, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, ट्रेनी, आफिस असिस्टेंट, एच.आर. मैनेजर, सुपरवाईजर, एजेन्ट, सिक्योरिटी गार्ड, अकाउंटेंट, सेल्स एग्जीक्यूटिव, फील्ड असिस्टेंट, कस्टमर रिलेशनशीप आफिसर, सर्वेयर, लेबर आदि अनेक पदों पर सीधी भर्ती की जावेगी। शैक्षणिक योग्यता 8वी उत्तीर्ण से स्नातकोत्तर, आयु 18 से 45 वर्ष तक। इच्छुक आवेदक 04 दिसम्बर को समय प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक शासकीय आई.टी.आई, सैलाना रोड रतलाम, में अपने फोटो, शैक्षणिक योग्यता के मूल प्रमाण पत्र, रोजगार पंजीयन, 2 पासपोर्ट साईज फोटो एवं आधार कार्ड की छायाप्रति एवम बायोडाटा के साथ उपस्थित होवें।

जिला चिकित्सालय में आग से होने वाली दुर्घटना की रोकथाम के संबंध में प्रशिक्षण दिया

रतलाम 22 नवंबर 2024/ जिला चिकित्सालय रतलाम में आग से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के संबंध में अस्पताल के समस्त स्टाफ के साथ बैठक करते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। सिविल सर्जन डॉ. एम.एस. सागर की उपस्थिति में जिला चिकित्सालय के आरएमओ डॉ. अभिषेक अरोरा, क्वालिटी के नोडल ऑफिसर डॉ. रजत दुबे, अस्पताल प्रबंधक डॉ. शिवम श्रीवास्तव, नर्सिंग ऑफिसर और विभिन्न साफ सफाई एवं सुरक्षा कर्मचारी की उपस्थिति में फायर एक्सटिंग्विशर के वास्तविक प्रयोग के आधार पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. सागर ने बताया कि अस्पताल में आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए पूर्व तैयारी के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि अग्निशमन के लिए पहले से दलों का गठन कर लिया जाए और आग लगने पर हर दल अलग-अलग प्रकार की कार्यवाही करेंगे। दो लोग आग बुझाने का कार्य करें, दो लोग आमजन के सामान आदि की सुरक्षा का ध्यान रखें, दो लोग आमजन को ढांढस बंधाऐं और घबराने नहीं दे, दो लोग अन्य आवश्यक संसाधनों जैसे फायर ब्रिगेड आदि को बुलाने का कार्य करें, दो लोग मरीजों को सुरक्षित क्षेत्र में शिफ्टिंग का कार्य करें। इस प्रकार कार्यों का वर्गीकरण करके आग पर काबू पाया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों एवं उपकरणों के प्रयोग की आन जाब प्रशिक्षण प्रदान किया गया । प्रशिक्षण के दौरान आग बुझाने के लिए उपयोग में आने वाले फायर उपकरण के क्रियान्वयन की स्थिति, नियमित रूप से संसाधनों की टेस्टिंग एवं निगरानी तथा संधारण, नियमित रूप से इलेक्ट्रिक लोड की ऑडिट, ऑक्सीजन सेफ्टी, विद्युत के ओवरलोड से बचाव की स्थिति की सतत निगरानी आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। डॉ. सागर ने जिला चिकित्सालय में स्वयं भ्रमण कर अस्पताल के सभी स्विच बोर्ड विद्युत उपकरण आदि की स्थिति का निरीक्षण किया उन्होंने कहा कि किसी भी पावर पॉइंट पर स्पार्किंग होने की स्थिति में उसको तुरंत सुधरवाकर बदलवाया जाए, किसी भी स्थिति में अनावश्यक रूप से एयर कंडीशन आदि का उपयोग न किया जाए।

सीईओ जिला पंचायत उज्जैन द्वारा बैंकर्स की बैठक ली गई

उज्जैन। शुक्रवार को जिला पंचायत उज्जैन मैं जिले की बैंकों की बैठक आयोजन किया गया बैठक में विभिन्न विभागों के जिला/विकासखंड प्रभारी जिला अधिकारी एवं सभी बैंकों के शाखा प्रबंधकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की बैठक का शुभारंभ अग्रणी जिला प्रबंधक उज्जैन बलराम बैरागी ने सभी का स्वागत कर किया । बैठक में मध्य प्रदेश शासन एवं भारत सरकार की हितग्राही मूलक योजनाओं पर चर्चा की गई जिसमें पीएमएफएमई, पशुपालन, मछली पालन केसीसी, उद्यम क्रांति,संत रविदास, डॉ भीमराव अंबेडकर, टंट्या मामा भगवान बिरसा मुंडा, स्वयं सहायता समूह सीसीएल मुद्रा ऋण, पीएम स्वनिधि, आदि विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से समीक्षा की गई जिला पंचायत सीईओ श्रीमती जयंती सिंह के द्वारा सभी बैंकर्स को निर्देशित किया की दिसंबर 2024

एक और एक ग्यारह बनकर काम करेंगे मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र : मुख्यमंत्री

सामाजिक व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने वाले डॉक्टर हैं श्री गड़करी जी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागपुर में एग्रोविजन राष्ट्रीय कृषि मेले को किया संबोधित

उज्जैन, । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि आधारित उद्योगों को घर-घर पहुंचाने के लिए मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र मिलकर काम करेंगे। एक और एक दो नहीं, एक और एक ग्यारह बनकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नागपुर में आयोजित एग्रोविजन राष्ट्रीय कृषि मेले के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह मात्र मेला नहीं बल्कि यह भविष्य के सुशासन की समृद्धशाली भारत और प्रदेश के बनने की इसने नींव डाली है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गड़करी सामाजिक व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने वाले सिद्धहस्त डॉक्टर हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण कृषि आधारित कामों के आधार पर प्रदेश की पहचान होती है। मैं तारीफ करता हूँ कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र सरकार घर-घर में कृषि आधारित मत्स्य पालन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन जैसे घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्पादन, उत्पादकता तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उत्पादों के लिए पर्याप्त बाजार उपलब्ध कराने पर भी फोकस किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के मंत्री एवं अधिकारियों का एक दल मेले के अवलोकन एवं अध्ययन के लिए भेजा जाएगा।

गौ-पालन से बढ़ेगी आमदनी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने गौ-पालकों की आय बढ़ाने अनेक योजनाएं क्रियान्वित की हैं। उन्होंने कहा कि हम श्रीकृष्ण को मानने वाले हैं, जिनके घर गायें है वे गोपाल हैं और जिनके घर में गाय का कुल है वह घर गोकुल है। मराठी में बछड़े-बछिया को गौरा और गौरी कहते हैं। हमने गौ-पालकों को गाय के स्थान पर गौरी देने की योजना बनाई है। गौ-पालक 5 गौरी ले जाएं और अपने घर पर उनको बड़ा करें, गौ-पालक 2 गाय अपने घर में ही रख लें और 3 गायें हम खरीदेंगे। गौ-पालक दूध का विक्रय करेंगे उससे उनकी आय में वृद्धि होगी

कांजी हाउस की कैद से मिलेगी मुक्ति मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम निराश्रित और ऐसी गायों को जिनकी दूध देने की क्षमता न्यून या शून्य हो गई है और गौ-पालकों ने उन्हें निराश्रित छोड़ दिया है, को आश्रय देने की दृष्टि से नगरीय क्षेत्रों में गौ-शालाओं का निर्माण करने जा रहे हैं। इस अनुक्रम में भोपाल में 10 हजार गायों की क्षमता वाली गौ-शाला का भूमि-पूजन होने जा रहा है। इससे सड़कों पर निराश्रित गौ-वंशों से होने वाली दुर्घटनाओं पर भी अंकुश लगेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने मध्यप्रदेश में कांजी हाउस, खेड़ा जैसे कैद खानों को भी बंद करने का निर्णय लिया है। मूक पशुओं को जेल में रखने का कोई औचित्य नहीं है।

महाराष्ट्र मेरा पुश्तैनी घर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाराष्ट्र मे आकर ऐसा लगा जैसे मैं अपने घर आ गया हूँ। माता अहिल्या और महादजी सिंधियां की पृष्ठ भूमि महाराष्ट्र राज्य से जुड़ी हुई है।

सड़क हादसे में बंजारी के विरेन्द्रसिंह की मृत्यु

उज्जैन घिनौदा
घिनोदा में ओर कंचनखेड़ी के बीच गुरुवार की रात्री में लगभग 7 ओर 8 बजे के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ जिसमें बोलेरा जिप ओर मोटर साइकिल की टक्कर हो गई जिसमें मोटर साइकिल सवार विरेन्द्रसिंह बंजारी को गंभीर चौट लगने से मौके पर ही मृत्यु हो गई ! मिली जानकारी के अनुसार विरेन्द्रसिंह बंजारी के रहने वाले एक कृषक होने के साथ साथ विद्युत विभाग में अस्थाई कर्मचारी से रूप में भी काम करते थे और घिनौदा से अपनी मोटर साइकिल बजाज डिस्कवर एमपी 13, डीटी 0671 से बंजारी जा रहे थे इस दौरान घिनोदा गांव से थोड़ा सा आगे पर पेट्रोल पंप के पास खाचरोद की ओर से आ रही बोलेरो जिप एमपी 13, सीबी 4230 ने सामने से टक्कर मार दी जिससे गंभीर चौट आई और मौके पर ही दम तोड़ दिया ! मौके पर पुलिस भी पहुंची और फिर खाचरोद शासकीय हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डाक्टरों के द्वारा मृत घोषित कर दिया गया और शनिवार को सुबह पीएम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया जहा पैतृक गांव बंजारी में उनका अंतिम संस्कार किया गया ! घटना स्थल पर प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार खाचरोद की ओर से आने वाली बोलेरा वाहन गलत साइड से आ रही थी जैसा कि बोलेरो जिप घटना के बाद भी रोड से एक ओर पड़ी थी उससे भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिप रांग साइड से ही आ रही थी ! किंतु यह अभी अब पुलिस की जांच का विषय है कि किसकी गलती के कारण यह हादसा हुआ ! वहीं खाचरोद थाने पर इस मामले को देख रहे नानकराम पटेल ने बताया कि अभी पूरा मामला जांच के है जांच के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी !

छात्र शक्ति , राष्ट्र शक्ति

झाबुआ
झाबुआ.... आज प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में संपूर्ण छात्रों ने मिलकर कार्यकारिणी बनाई छात्र नेता श्री निलेश जी गणावा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी की इच्छा के अनुसार हम नवीन कार्यकारिणी बना रहे हैं और साल भर यह कार्यकारिणी सभी विद्यार्थियों के लिए कार्य करेंगे ताकि विद्यार्थी कॉलेज में परेशान ना हो उसके लिए इस कार्यकारिणी का निर्माण किया जा रहा है और सभी विद्यार्थी मिलकर कार्य करेंगे ताकि आने वाले समय में विद्यार्थी स्वयं अपनी समस्याओं का समाधान कर सके छात्र नेता विनोद गणावा ने कार्यकारिणी घोषित की जिसमें छात्र शक्ति कॉलेज इकाई अध्यक्ष मुकेश मालीवाल बनाए गए एवं कॉलेज इकाई मंत्री रुद्राक्ष भंसार जी एवं कॉलेज प्रमुख तेजमल बवेरिया को बनाया एवं उपाध्यक्ष अजय नलवाया, पंकज डामोर, भाविन बसेड, अलकेश पारंगी, सूर्या डामोर, दिव्यांश मोरे ,अमित परमार ,नारायण भूरिया,मनीष गुड़िया,विनोद भाभर संजय गामड़, कामिल डामोर, करणसिंह अमलियार, भारत नलवाया अंकित कथा, संध्या परमार, मोनिका वसुनिया गीता डामोर निकिता,एवं आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे बाद में सभी विद्यार्थियों ने मिलकर कॉलेज अध्यक्ष एवं मंत्री जी को कॉलेज कैंपस से लेकर राजवाड़ा तक एक रैली के माध्यम से नगर में घुमाया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों का सहयोग छात्र नेताओं को मिला बाद में सभी कार्यकर्ताओं को छात्रों ने शुभकामनाएं दी ।।

भिक्षावृत्ति रोकने किये गए उपायों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश

खरगोन
राज्य शासन द्वारा भिक्षावृत्ति में लिप्त गरीब व्यक्तियों, अशिक्षित बच्चों, महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों का सर्वे कर उनकी पहचान एवं डाटा बैंक तैयार करने तथा उनके पुनर्वास के लिए एडवायजरी जारी की गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला श्रम अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि भिक्षावृत्ति से संबंधित एडवायजरी के बिंदुओं का पालन कर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन शीघ्र उपलब्ध कराएं। शासन द्वारा भिक्षावृत्ति में लिप्त गरीब व्यक्तियों, अशिक्षित बच्चों, महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों का सर्वे कर उनकी पहचान एवं डाटा बैंक तैयार करने, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कानूनी एवं नीति रूपरेखा, संरक्षण एवं पुनर्वास के लिए समन्वित कार्यवाही के लिए एडवायजरी जारी की गई है।

नहर से पंपो को हटवाने के कार्य

विदिशा
नहर के कमांड एरिया में किसानो को सिंचाई के लिए पानी पहुंच सके। नहर का पानी टेल तक पहुंच रहा है कि नहीं का मुआयना सिंचाई विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा सतत किया जा रहा है। संजय सागर नहर परियोजना की मुख्य नहर के गौरियाखेडा से रिनिया के बीच कमांड क्षेत्र के बाहर किसानो द्वारा पंपो से पानी खींचा जा रहा था जिसे विभाग के अधिकारियों द्वारा हटवाने का कार्य संपादित किए गए है। कार्यपालन यंत्री श्री प्रियंका भण्डारी और एसडीओ श्री कौशल ने आज संयुक्त रूप से क्षेत्र का भ्रमण कर नहर के टेल क्षेत्र में पानी पहुंचाया जा सके के कार्यो का मुआयना किया है।

भैरव अष्टमी पर लगेगा 56 भोग होगी महा आरती

झाबुआ थांदला
थांदला। धर्म भूमि थांदला में अनेक चमत्कारिक स्थल है जहाँ लोगों की आस्था इस कदर जुड़ी हुई है कि के उस देव स्थान के लिए अपने प्राण तक न्यौछावर कर देते है। इसी देव भूमि पर पेटलावद रोड़ पर विघ्नहर्ता के रूप में पंथवारी माताजी का मंदिर स्थित है जहाँ विराजमान काल भैरव बाहर जाने आने वालों की रक्षा करते है तो अनेक प्रकार से सहायता भी करते है। इसीलिए अनेक आस्थावान यहाँ शीश नमाकर बाहर जाते है तो आने के बाद अपनी मन्नत उतारते है वही नव: युगल जोड़ी के दाम्पत्य जीवन की खुशहाली के लिए भी मंगल कामना करते है। यहाँ के पंडित चिंटू वैरागी बताते है कि इस बार महायोग लेकर आ रही भैरव अष्टमी (23 नवम्बर 2024 शनिवार) पर यहाँ के श्रद्धावान भक्तों द्वारा सकल विश्व की कल्याणकारी भावना मन में लिए माता जी के साथ विराजमान काल भैरव को प्रसन्न करने 56 भोग लगाकर उनकी महा आरती की जाएगी। पंडितजी ने बताया कि सुबह से ही भक्तों के द्वारा अभिषेक आदि किये जायेंगे वही बाबा काल भैरव का आकर्षक श्रंगार किया जाएगा हवन पूजन के बाद दोपहर 12 बजे महाआरती व सायं 7=30 दीप यज्ञ के साथ दूसरी महाआरती की जाएगी। महाआरती के पश्चात भक्तों को खिचड़ी व 56 भोग की प्रसादी दी जाएगी। आयोजन समिति ने सभी काल भैरव व माताजी के भक्तों से उक्त धार्मिक आयोजन में तन-मन-धन से सहयोग करते हुए धर्म लाभ लेकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

अलग-अलग प्रकरण के तीन आरोपी जेल दाखिल

जांजगीर चांपा/ छेड़ छाड़ एवं दैहिक शोषण करने वाले तीन आरोपी को अकलतरा पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये अकलतरा थाना प्रभारी निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय ने बताया कि दिनांक 11.11.2024 को पीडिता घर में अकेली थी तभी आरोपी अर्जुन यादव निवासी पीपरसत्ती थाना अकलतरा द्वारा पीड़िता को डरा धमका कर दैहिक शोषण किया गया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दिया की रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 566/2024 धारा 331(6), 64 (2) (रू), 351(3) क्व्हस कायम कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण के आरोपी को उसके सकुनत से पकड़ा जिसको घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किये जाने से विधिवत् गिरफ्तार कर दिनांक 22.11.2024 को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है इसी प्रकार पीड़िता को आरोपी प्रकाश टंडन साल निवासी भांठापारा पकरिया थाना अकलतरा द्वारा अपने प्यार करने का बहकावे में लेकर दिनांक 16.11.24 को जबरन दैहिक शोषण किया कि रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 565/24 धारा 64 (2) (रू) क्व्हस कायम कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण के आरोपी को उसके सकुनत से पकड़ा जिसको घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किये जाने से विधिवत् गिरफ्तार कर दिनांक 22.11.2024 को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया दिनांक 19.11.2024 को आरोपी कांतीदन यादव उर्फ सोमू उम्र 34 साल निवासी पीपरसत्ती थाना अकलतरा द्वारा सुनेपन का फायदा उठाकर महिला को बेइजत्ती करने की नियत से छेड़ छाड़ करने लगा पीडिता चिल्लाई तो आरोपी भाग गया कि रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 564/2024 घारा 74 क्व्हस कायम कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण के आरोपी को उसके सकुनत से पकड़ा जिसको घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किये जाने से विधिवत् गिरफ्तार कर दिनांक 22.11.2024 को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक मणीकांत पाण्डेय थाना प्रभारी अकलतरा, ए एसआई कोसले, बी.पी. खाण्डेकर प्रधान आरक्षक निसार परवेज, आरक्षक भूषण राठौर सोमेश शर्मा, बरसत साहू, अजय भानू का सराहनीय योगदान रहा।

ग्राम रातामाटी के शिविर में कलेक्टर सिंह ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी

हरदा
जिले के दूरस्थ वनग्रामों में ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए इन दिनों जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को ग्राम रातामाटी में आयोजित शिविर में कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि गांव में मोबाइल नेटवर्क के अभाव में आधार अपडेट और आधार पंजीयन जैसे कार्य नहीं हो पाते हैं, जिस पर उन्होंने जनपद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों के माध्यम से ग्रामीणों के आधार पंजीयन व आधार अपडेट करने का कार्य गांव में ही कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में ही 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों के आयुष्मान पंजीयन की कार्यवाही की गई कलेक्टर श्री सिंह ने शिविर में अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए के गांव में आज शाम तक शिविर में रुककर स्वरोजगार के लिये लोन लेने के इच्छुक ग्रामीणों के टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना और बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के तहत प्रकरण तैयार करें। उन्होंने लीड बैंक प्रबंधक को निर्देश दिए कि जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंस को रातामाटी में नियमित रूप से आकर ग्रामीणों को उनके गांव में ही बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराएं। ग्रामीणों ने कलेक्टर श्री सिंह को बताया कि गांव में विद्युत का वोल्टेज बहुत कम आता है, जिस पर उन्होंने विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को विद्युत वोल्टेज की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों को ग्रामीणों के बकरी पालन संबंधी स्वरोजगार प्रकरण बनाने के लिए भी कहा।

यूपी में भीषण हादसा, बिजनौर में पेड़ से टकराई कार, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

उत्तर प्रदेश के बिजनौर में भीषण हादसा हो गया। शुक्रवार (24 नवंबर) रात यहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पेड़ से टकरा गई। हादसे में 8 माह की बच्ची समेत 4 लोगों की मौत हो गई। जबकि, 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी लोग मेला देखकर लौट रहे थे। मृतकों में मां-बेटियां और बुआ शामिल हैं। बिजनौर जिले के नहटौर थाना क्षेत्र में एक्सीडेंट शुक्रवार रात 10:30 बजे हुआ है। स्कॉर्पियो नजीबाबाद से नहटौर तरफ आ रही थी। तभी ऑक्सफोर्ड स्कूल के पास वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पेड़ से टकरा गई। हादसे में गांव चक नसीरपुर निवासी सुल्तान (35) पुत्र असरफ की पत्नी गुलअफ्सा, उनकी बेटियां अनादिया, अलिशा और बहन चांद बानो की मौत हो गई। जबकि, सुल्तान और उसका बेटा साद और भांजी आदिबा गंभीर रूप से घायल हैं। सुल्तान अपनी पत्नी-बहन और बेटियों साथ मेला देखने के लिए गया था। मेला से लौटते समय उनकी कार पेड़ से टकरा गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से तीनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जहां उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

भारतीयों के लिए यूरोप का वीजा लेना हुआ मुश्किल पहले से तीन गुना जटिल हुई प्रक्रिया

भारतीय यात्रियों के लिए यूरोप के 29 देशों का शेनजेन वीजा प्राप्त करना दिनों-दिन जटिल होता जा रहा है। 2013 से 2023 के बीच शेनजेन जोन में वीसा अर्जियों के रद्द होने की दर 5त्न से बढ़कर 16% हो गई है। इस बढ़ती कठिनाई के कारण भारतीय यात्रियों को यात्रा योजनाओं में कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। शेनजेन वीजा के लिए सामान्य फीस 6000 है, लेकिन भारतीयों को अतिरिक्त 1900 चुकाने पड़ते हैं। जबकि ब्रिटिश वीजा 12,700 और अमेरिकी वीसा 15,600 में मिलता है। विशेष सुविधाओं, जैसे लाउंज या ऑफ-ऑवर आवेदन, के लिए अतिरिक्त 2500-16,000 तक का खर्च होता है।वीजा प्रक्रिया का लगभग 40त्न हिस्सा प्राइवेट कंपनियों के जरिए आउटसोर्स किया जाता है। वीएफएस ग्लोबल, टीएलएस कॉन्टैक्ट और बीएलएस इंटरनेशनल जैसी कंपनियों का इस क्षेत्र में 70त्न नियंत्रण है। इन्वेस्टमेंट फर्म नुवामा ग्रुप के अनुसार, वीसा आउटसोर्सिंग इंडस्ट्री हर साल 9त्न की दर से बढ़ रही है और 2030 तक इसका मूल्य 42,000 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। यूरोप जाने वाले यात्रियों को बैंक स्टेटमेंट, पे स्लिप, टैक्स रिटर्न जैसी कई दस्तावेज़ी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। आवेदन के बाद भी कई बार अर्जियां अस्वीकृत हो जाती हैं, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है। खास बात यह है कि यूरोप जाने के लिए अमीर देशों के लिए वीजा में छूट है लेकिन विकासशील देशों पर बोझ डाला गयाहै। अमीर देशों के नागरिकों को कई देशों में वीजा की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन भारतीय जैसे विकासशील देशों के यात्रियों को भारी फीस और लंबी प्रक्रिया का सामना करना पड़ता है। 2023 में यूरोपीय संघ ने वीजा फीस से 7600 करोड़ की कमाई की। इस बढ़ती आय के साथ वीजा प्रक्रिया अब केवल यात्रा अनुमति नहीं, बल्कि सरकारी राजस्व का अहम हिस्सा बन गई है। वीजा की लंबी प्रक्रिया और कड़े नियम भारत से विदेश यात्रा को और कठिन बना रहे हैं। भारतीय यात्रियों के लिए यूरोपीय और अमेरिकी वीसा प्रक्रिया में आने वाली ये कठिनाइयां न केवल यात्रा योजनाओं को प्रभावित करती हैं, बल्कि समय और धन की बर्बादी भी बढ़ाती हैं। सरकारों और आउटसोर्सिंग कंपनियों के लिए यह आय का साधन बन चुका है, लेकिन यात्रियों के लिए यह एक बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान में इमरान खान की पत्नी के सऊदी अरब से जुड़े बयान पर मच गया बवाल

इस्लामाबाद- पाकिस्तान में इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री की परेशानियां सऊदी अरब की यात्रा के बाद शुरू हुई थीं। उप प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इस्हाक डार और पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने 'एक्स पर पोस्ट की गई बुशरा बीबी की वीडियो क्लिप को लेकर उनकी आलोचना की। बुशरा बीबी ने बृहस्पतिवार को वीडियो बयान में कहा कि खान की समस्याएं उस समय शुरू हुईं जब वह (खान) मदीना गए और उन्हें बिना जूतों के अपने विमान से बाहर आते देखा गया। उन्होंने दावा किया कि घटना के बाद तत्कालीन सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के पास फोन आने लगे।

उन्होंने खान की सितंबर 2018 की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, खान के लौटने के तुरंत बाद, बाजवा को फोन आने लगे और कहा गया कि 'ये तुम क्या उठा के लाए हो? इस वीडियो का उद्देश्य खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों को रविवार को इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रेरित करना था, लेकिन बयान में सत्ता से बेदखल होने में सऊदी अरब की कथित भूमिका का अप्रत्यक्ष संदर्भ होने के कारण विवाद खड़ा हो गया। सऊदी अरब और चीन पाकिस्तान के दो सबसे बड़े समर्थक रहे हैं, जिन्होंने आर्थिक संकट से उबरने में उसकी मदद की है।

पीटीआई के आधिकारिक 'एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए नौ मिनट 27 सेकेंड के वीडियो में बुशरा बीबी ने किसी देश का नाम नहीं लिया। साल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये अपदस्थ होने वाले खान (72) पिछले साल से कई मामलों में रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। जनरल बाजवा ने बीबी के बयान का तुरंत खंडन किया। 'एक्सप्रेस न्यूज टीवी से बात करते हुए बाजवा ने बीबी के बयान को झूठ का पुलिंदा करार दिया और पूछा कि एक मित्र देश पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में कैसे हस्तक्षेप कर सकता है। उन्होंने कहा कि मार्च 2022 में इस्लामाबाद में ओआईसी (इस्लामिक सहयोग संगठन) शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था और अगर दोनों देशों के बीच संबंधों में कोई तनाव होता, तो क्या सऊदी अरब पाकिस्तान में शिखर सम्मेलन आयोजित करने की अनुमति देता।

खान की सऊदी यात्रा का विवरण देते हुए बाजवा ने कहा कि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान खुद जेद्दा में पूर्व प्रधानमंत्री की अगवानी करने आए थे। बाजवा ने कहा, शाह महमूद कुरैशी और मैं यात्रा के दौरान रात्रिभोज में मौजूद थे। रक्षा मंत्री आसिफ ख्वाजा ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बुशरा बीवी के बयान की निंदा की और कहा कि पाकिस्तान के सऊदी अरब के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। उन्होंने कहा, मौजूदा आर्थिक संकट में पाकिस्तान की मदद करने में सऊदी अरब ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि पाकिस्तान और सऊदी अरब करीबी दोस्त और भाई हैं। यह रिश्ता आपसी सम्मान पर आधारित है।

रूस-यूक्रेन जंग को रुकवाने के लिए ग्रेनेल को विशेष दूत चुन सकते ट्रंप, समर्थक नाराज

डोनाल्ड ट्रंप, जो अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक विशेष दूत नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस पद के लिए उनके पूर्व खुफिया प्रमुख रिचर्ड ग्रेनेल को चुना जा सकता है। रिचर्ड ग्रेनेल 2017-2021 के दौरान ट्रंप प्रशासन में अमेरिका के जर्मनी में राजदूत और खुफिया विभाग के कार्यवाहक निदेशक रह चुके हैं। ट्रंप के चुनाव अभियान में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी और वे अमेरिका के विदेश मंत्री बनने के प्रबल दावेदार भी थे। यदि उन्हें यह पद मिलता है, तो वह रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के ट्रंप के प्रयासों में अहम भूमिका निभाएंगे। हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि ट्रंप यह पद बनाएंगे या किसी और को इसके लिए चुनेंगे। ग्रेनेल के विचार ग्रेनेल ने जुलाई में एक चर्चा के दौरान सुझाव दिया था कि रूस-यूक्रेन विवाद को हल करने के लिए स्वायत्त क्षेत्र बनाए जा सकते हैं। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि वे फिलहाल यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के पक्ष में नहीं हैं। उनके इन विचारों से यूक्रेनी नेताओं को आपत्ति हो सकती है, लेकिन उनके समर्थकों का मानना है कि उनका यूरोपीय मामलों का लंबा अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। हालांकि, ट्रंप ने ग्रेनेल को विदेश मंत्री नहीं बनाया और इसके बजाय रिपब्लिकन सीनेटर मार्को रुबियो को चुना। इस फैसले से ग्रेनेल के कुछ समर्थक और मुस्लिम समुदाय के ट्रंप समर्थक नाराज हैं। हमने ट्रंप को जिताने में मदद की और अब उनके फैसलों से खुश नहीं हैं, फिलाडेल्फिया के निवेशक रबिउल चौधरी ने कहा, जिन्होंने मुसलमानों के बीच ट्रंप के लिए अभियान चलाया था। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध को जल्दी खत्म करने का वादा किया था, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे इसे कैसे करेंगे। यदि ग्रेनेल को यह पद मिलता है, तो उनके कूटनीतिक अनुभव का उपयोग इस जटिल समस्या को सुलझाने के लिए किया जा सकता है। फिलहाल, सभी की नजरें ट्रंप के अगले कदम पर टिकी हैं।

चीन का बड़ा ऐलान, अब 9 और देशों के नागरिकों को मिलेगी वीजा फ्री एंट्री

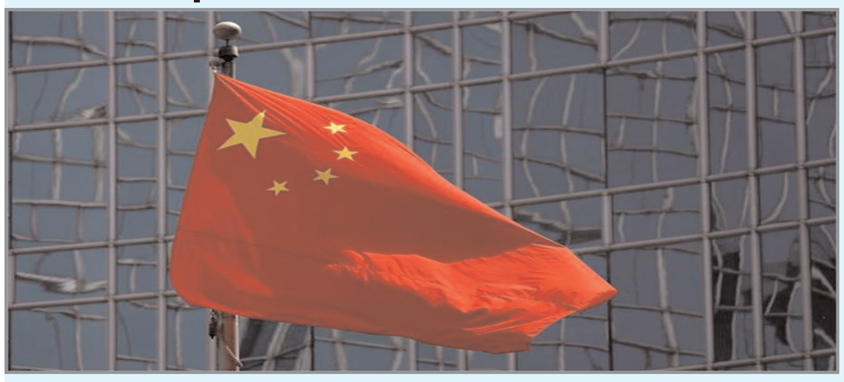

बीजिंग- चीन ने अपनी सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए पर्यटन और व्यावसायिक यात्रा को बढ़ावा देने के मकसद से नौ अन्य देशों के नागरिकों को वीजा-मुक्त प्रवेश देने की शुक्रवार को घोषणा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बताया कि 30 नवंबर से बुल्गारिया, रोमानिया, माल्टा, क्रोएशिया, मोंटेनेग्रो, उत्तरी मैसेडोनिया, एस्टोनिया, लातविया और जापान के यात्री बिना वीजा के 30 दिनों तक चीन में रह सकेंगे। इसके साथ ही पिछले वर्ष से जिन देशों को वीजा-मुक्त योजना में शामिल किया गया है उनकी संख्या 38 हो जाएगी। पहले केवल तीन देशों को वीजा-मुक्त प्रवेश की इजाजत थी लेकिन कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान यह योजना समाप्त कर दी गई थी। लिन ने कहा कि वीजा-मुक्त प्रवेश के दौरान पहले चीन में केवल 15 दिन रहने की अनुमति थी, जिसे बढ़ाया जा रहा है। चीन विद्यार्थियों, शिक्षाविदों और अन्य लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा दे रहा है ताकि अन्य देशों के साथ कभी तनावपूर्ण रहे अपने संबंधों को सुधारने की कोशिश की जा सके।

पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने कहा-

ट्रंप की वापसी से बहुत दुख हुआ वो दुनिया के लिए बड़ी चुनौती

पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल का कहना है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने पर उन्हें बहुत 'दुख हुआ क्येंकि वो दुनिया के लिए बड़ी चुनौती हैं। मर्केल ने कहा कि और उन्हें याद है कि उनके साथ हर भेंट ''एक प्रतियोगिता होती थी- आप या मैं। जर्मन साप्ताहिक 'डेर स्पीगेल में शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में मर्केल ने कहा कि ट्रंप दुनिया खासकर बहुपक्षवाद के लिए एक चुनौती हैं। उन्होंने कहा, ''अब जो हमारे लिए इंतजार कर रहा है, वह वास्तव में आसान नहीं है क्योंकि दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था इस राष्ट्रपति के पीछे खड़ी है एवं डॉलर प्रमुख मुद्रा है। मर्केल ने जर्मन चांसलर रहते हुए चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ काम किया। वह ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान सत्ता में थीं - यह उनके 16 साल के कार्यकाल में जर्मन-अमेरिका संबंधों के लिए सबसे तनावपूर्ण अवधि थी, जो 2021 के अंत में समाप्त हुई। उन्होंने 'ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यालय) में एक चर्चित अजीबोगरीब पल को एक खास दृश्य के रूप में याद किया, जब वह पहली बार मार्च 2017 में व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिलने गई थीं। फोटोग्राफर ने आवाज लगायी हाथ मिलाइए। और मर्केल ने धीरे से ट्रंप से पूछा- क्या आप हाथ मिलाना चाहते हैं? ट्रंप की ओर से कोई जवाब नहीं आया, जो अपने हाथ जोड़कर सामने देखते रहे। मर्केल ने कहा, मैंने फोटोग्राफर के वास्ते हाथ मिलाने के लिए उन्हें मनाने की कोशिश की क्योंकि मैंने अपने रचनात्मक तरीके से सोचा कि शायद उन्होंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि वे ऐसी तस्वीर चाहते हैं। लेकिन निश्चित रूप से उन्होंने सोच-समझकर यह इनकार किया था। इस यात्रा के दौरान अन्य मौकों पर भी दोनों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। मर्केल ने कहा,''कमरे में जितने अधिक लोग थे, विजेता बनने की उनकी इच्छा उतनी ही अधिक थी। उन्होंने कहा,''आप उनसे बात नहीं कर सकते। हर भेंट एक प्रतियोगिता है- आप या मैं। मर्केल ने कहा कि उन्हें पांच नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस के खिलाफ ट्रंप की जीत पर 'दुख महसूस हुआ।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए आफत बना प्रदूषण, आज फिर 421 पर पहुंचा एक्यूआई

दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह से ही धुंध की मोटी परत छाई हुई है। शनिवार को फिर से वायु गुणवत्ता सूचकांक 421 पर पहुंच गया है। जो प्रदूषण की गंभीर श्रेणी में है। ऐसे में लोगों को प्रदूषण और ठंड के डबल अटैक का सामना करना पड़ रहा है।दरअसल, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सुबह आठ बजे एक्यूआई का ताजा आंकड़ा जारी किया है। दिल्ली के कई इलाकों में आज सुबह 9 बजे तक कोहरा छाया रहा। वहीं 9 बजे के बाद से धूप निकलनी शुरू हो गई है। हालांकि, प्रदूषण की वजह से आसमान साफ नजर नहीं आ रहा है। मौसम विभाग का कहना है दिल्ली में अगले हफ्ते दो दिनों तक बारिश होगी। जिसके चलते प्रदूषण से राहत मिल सकती है। दरअसल, मौसम विभाग ने 25 और 26 नवंबर को बारिश होने की संभावना जताई है। जिससे दिल्ली के तापमान में भी गिरावट देखने को मिलेगी और दिल्ली-एनसीआर में सर्दी बढ़ेगी। वहीं आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 ।31-4202569 फैक्स नं : 0 ।31-4202569